गुस्ताखी माफ

करें योजनाएं अगर, कुछ छोटी सरकार।
और फाइलें कुछ बड़ी, तब निकलेंगी पार।
तब निकलेंगी पार, योजनाएं जो अटकीं।
वर्ना सारी यहीं, कहीं रह जायें लटकीं।
कह साहिल कविराय, जरा-सा जोर लगायें।
थोड़ा हिले विकास, योजनाएं सरकायें।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416   UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 193 | TUESDAY 21-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER   Visit at : www.uturntime.com

भारतीय परिवारों को लगा वेस्टर्न कल्चर का दीमक, आए दिन बन रहे विवादों का कारण

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। शहर के एक नामी होजरी कारोबारी घराने में बहू के डोमेस्टिक वायलेंस करने का मामला चर्चा में आया है। इस विवाद का कारण भी वेस्टर्न कल्चर बनकर सामने आया है। हालात तब बद से बदतर हुए जब बहू के साथ ससुराल वालों द्वारा मैन हैंडलिंग की गई। जिसने महिला को बुरी तरह प्रभावित किया।

चर्चा है कि महिला के साथ महिला बाउंसरों द्वारा मारपीट की गई। फिर घर के एक पुरुष ने भी बुरे तरीके से मारपीट की। विवाद इतना बढ़ गया कि आसपास के लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए। महिला द्वारा किसी तरह अपना बचाव किया गया। जिसके बाद उसे जानकारों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। चर्चा है कि महिला द्वारा अपनी एमएलआर कटवाई गई है और पुलिस शिकायत भी दे दी गई है। अब इस पूरे मामले में सभी की नजरें पुलिस कार्यप्रणाली पर टिकी हुई हैं। पुलिस की कार्रवाई भी सवालों में घिरी हुई है। हालांकि उच्च अधिकारी मामले संबंधी कुछ बता नहीं रहे। इस घटनाक्रम की कइयों के पास सीसीटीवी फुटेज भी आई है। घटना के बाद शहर के कॉर्पोरेट घराने में दहशत का माहौल है।

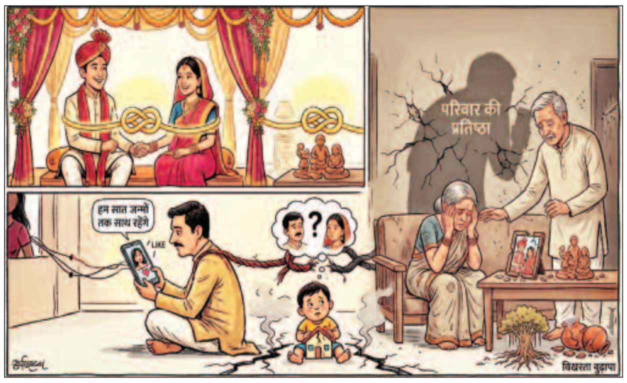

दूसरी शादी के बावजूद वेस्टर्न कल्चर की भेंट चढ़ा युवा

चर्चा है कि यह विवाद नामी होजरी घराने के बड़े बेटे का है। यह उसकी दूसरी शादी बताई जा रही है। जिसमें उसके दो स्पेशल चाइल्ड है। दूसरी शादी के बावजूद युवा वेस्टर कल्चर की भेंट चढ़ गया। लेकिन उसे समझाने की जगह परिवार वालों द्वारा बहू के साथ मारपीट की गई। चर्चा है कि पेरेंट्स भी आज कल युवा पीढ़ी के आगे चुप रहते हैं। जिसके चलते युवा पीढ़ी लगातार रिश्वतों को ताक पर रखकर गलत काम करने में लगी हुई है।

महिला से गलत व्यवहार होने की चर्चाएं

वहीं शोर पड़ने पर इलाके के कई लोग मौके पर पहुंचे। जिनका कहना है कि महिला के साथ गलत व्यवहार हुआ है। चर्चा है कि इस होजरी कारोबारी परिवार को आइडल माना जाता था। जबकि वे शहर में अच्छा रुतबा रखते थे। लेकिन इस घटनाक्रम ने सभी की सोच को बदलने पर मजबूर कर दिया। बेशक मौके पर मौजूद लोग लड़के वालों के जानकार है। लेकिन उनका झुकाव ज्यादा लड़की की तरफ रहा।

बच्चों और पेरेंट्स की जिंदगी खराब कर रहे युवा

- *आज के समय में वेस्टर्न कल्चर भारतीय संस्कृति पर इतना हावी हो चुका है कि लोगों में अब रिश्तों की अहमियत ही नहीं रही है। युवा पीढ़ी अपनी लाइफ अच्छी करने और सेटिस्फेक्शन के चक्कर में वेस्टर्न कल्चर को अपना रहे हैं। लेकिन इससे वे अपनी लाइफ को टेपोरेरी तौर पर अच्छी समझ लेते हैं, लेकिन आगे जाकर उन्हें भी इसके नतीजे भुगतने पड़ते हैं। लेकिन उनकी इन गलियों के कारण बच्चों और पेरेंट्स की जिंदगी खराब हो रही है। क्योंकि दादा-दादी का पौते-पौतियों के साथ प्यार होता है, वे भी अधूरा रह जाता है, वहीं बच्चे अपने पिता या मां से अलग हो जाते हैं। कुल मिलाकर लाइफ पॉर्टनर के साथ साथ पेरेंट्स और बच्चों को भी इस समस्या में सरवाइव करना पड़ता है।*

परिवार के बड़े बच्चों को साथ लाने का कर रहे थे प्रयास

उधर होजरी कारोबारी के नजदीकियों अनुसार बहु द्वारा बड़ी मात्रा में समर्थकों के साथ जबरदस्ती घर में घुसने की कोशिश को लेकर माहौल बिगड़ा ! हलांकि कुछ दिन पहले परिवार के बड़ों द्वारा बच्चों में आपसी सहमति बनाने को लेकर मीटिंग की गई थी लेकिन रविवार एकाएक अनहोनी घटना से सभी घबरा गए .

दो महीने बाद मायके से आई थी महिला

चर्चा है कि पति के न सुधरने के चलते महिला दिल्ली रहते अपने मायके घर चली गई थी। इसी बीच लोगों ने समझौते का प्रयास किया। लेकिन बात सिरे न चढ़ने, ससुरालियों से फेवर न मिलने और बच्चों की पढ़ाई खराब होते देख महिला रविवार को अपने ससुराल घर आ गई। ससुराल घर में तीन अलग अलग पोर्शन बने हुए हैं। महिला अपने पोर्शन में चली गई। लेकिन शायद यह बात उनके ससुराल वालों को दिक्कत कर गई। जिसके चलते उन्होंने महिला के साथ झगड़ना शुरू कर दिया। फिर महिला बाउंसरों के जरिए पिटाई करवाई गई। इसी बीच मौका देख एक पुरुष ने भी मारपीट की।

सीबीआई अफसर बन महिला को किया डिजिटल अरेस्ट, 1.15 करोड़ की साइबर ठगी

जीरकपुर की महिला को मनी लॉन्ड्रिंग और पोर्नोग्राफी केस में फंसाने की धमकी देकर करवाई रकम ट्रांसफर

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। जीरकपुर की एक महिला को सीबीआई और टेलीकॉम विभाग का अधिकारी बनकर ठगों ने कथित तौर पर डिजिटल अरेस्ट में रखा और मनी लॉन्ड्रिंग व पोर्नोग्राफी के फर्जी मामले में फंसाने की धमकी देकर 1.15 करोड़ रुपये ठग लिए। पीड़िता की शिकायत पर जिला साइबर क्राइम थाना मोहाली ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीरकपुर निवासी राज रानी ने शिकायत में बताया कि उसे एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई टेलीकॉम विभाग का अधिकारी बताते हुए उसका आधार नंबर सत्यापित किया। आधार संबंधी सही जानकारी बताने पर महिला को कॉल पर भरोसा हो गया। इसके बाद आरोपी ने दावा किया कि उसके नाम पर जारी एक सिम कार्ड का इस्तेमाल पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री प्रसारित करने में हुआ है और इस संबंध में कई शिकायतें दर्ज हैं।

आरोपियों ने यह भी कहा कि उसका नाम उद्योगपति नरेश गोयल से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सामने आया है और जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। ठगों ने महिला पर लगातार दबाव बनाते हुए उसे डिजिटल अरेस्ट में होने की बात कही और निर्देश दिया कि जांच पूरी होने तक वह किसी से संपर्क न करे। गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई के डर से महिला उनके झांसे में आ गई। आरोपियों ने जांच और सत्यापन का हवाला देकर उससे बैंक खातों और वित्तीय जानकारी हासिल की तथा अलग-अलग खातों में कुल 1.15 करोड़ रुपये ट्रांसफर करवा लिए। बाद में खुद के साथ ठगी का एहसास होने पर महिला ने जिला साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल ट्रांजेक्शन की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ट्रांसफर की गई रकम के लाभार्थियों का पता लगाने और आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

Diet Trend या Diet Trap?

सोशल मीडिया के दौर में क्या आपकी डाइट सही है? जानिए मशहूर न्यूट्रिशनिस्ट आशिमा जैन की राय

आज फिटनेस सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह एक लाइफस्टाइल ट्रेंड बन चुकी है। सोशल मीडिया पर हर दिन कोई नया डाइट प्लान वायरल होता है। कभी इंटरमिटेंट फास्टिंग, कभी ब्राउन शुगर, कभी क्विनोआ तो कभी वीगन डाइट। लेकिन क्या ये ट्रेंड वास्तव में हमारी सेहत के लिए फायदेमंद हैं या सिर्फ एक भ्रम? इन्हीं सवालों पर हमारी खास बातचीत हुई मशहूर न्यूट्रिशनिस्ट आशिमा जैन से। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के डाइट ट्रेंड्स की बजाय अपनी बॉडी की जरूरतों को समझना और एक्सपर्ट की सलाह लेना ज्यादा जरूरी है।

आज इंटरनेट पर डाइट को लेकर इतनी जानकारी है कि लोग सबसे ज्यादा इसी बात को लेकर भ्रमित हैं कि आखिर खाएं क्या और क्या नहीं?

आशिमा जैन: आज सबसे बड़ी गलती लोग यही करते हैं कि इंटरनेट से कोई भी डाइट देखकर उसे फॉलो करना शुरू कर देते हैं। बिना यह जाने कि उन्हें थायरॉयड, पीसीओडी, डायबिटीज या कोई दूसरी स्वास्थ्य समस्या है या नहीं। हर इंसान की बॉडी अलग होती है, इसलिए हर डाइट सभी के लिए सही नहीं हो सकती। किसी भी डाइट को शुरू करने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेना जरूरी है। सही भोजन के साथ-साथ उसकी मात्रा और समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

LE THE LIFESTYLE Edit STYLE · LIFE · INSPIRATION

इंटरमिटेंट फास्टिंग आज सबसे बड़ा ट्रेंड बन चुकी है। क्या यह सभी लोगों के लिए सही है?

आशिमा जैन: बिल्कुल नहीं। बिना अपनी हेल्थ को समझे 16 या 18 घंटे तक भूखे रहना सही नहीं है। डायबिटीज, थायरॉयड और हाई बीपी के मरीजों के लिए यह नुकसानदायक हो सकता है। कई लोगों को कमजोरी और चक्कर आने लगते हैं। वजन कम करने का मतलब भूखे रहना नहीं, बल्कि सही समय पर संतुलित भोजन करना है।

पहले बड़े-बुजुर्ग कहते थे कि हर दो से तीन घंटे में थोड़ा-थोड़ा खाना चाहिए। क्या आज भी यह तरीका सही माना जाता है?

आशिमा जैन: बिल्कुल। लंबे समय तक भूखे रहने के बाद एक साथ ज्यादा खाना शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। इससे मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ जाता है, ब्लोटिंग होती है और वजन कम होने की बजाय बढ़ सकता है। छोटे-छोटे संतुलित मील लेना हमेशा बेहतर रहता है।

वीगन डाइट, ग्लूटेन-फ्री फूड और प्लांट-बेस्ड मिल्क भी आजकल काफी ट्रेंड में हैं। क्या ये सभी के लिए जरूरी हैं?

आशिमा जैन: यह काफी हद तक ट्रेंड है। अगर किसी व्यक्ति को ग्लूटेन एलर्जी या लैक्टोज इंटॉलरेंस जैसी मेडिकल समस्या नहीं है, तो सामान्य दूध या घर का पनीर छोड़ने की जरूरत नहीं है। बादाम का दूध, सोया मिल्क या दूसरी चीजें हर किसी के लिए जरूरी नहीं होतीं।

आज लोग घर में भुना हुआ मखाना बनाने की बजाय पैकेट वाले हेल्दी स्नैक्स खरीद रहे हैं। क्या यह सही है?

आशिमा जैन: पैकेट वाले स्नैक्स में प्रिजर्वेटिव, अतिरिक्त तेल और कई तरह के एडिटिव्स होते हैं ताकि वे महीनों तक खराब न हों। लोग सिर्फ "Healthy" लिखा देखकर उन्हें खरीद लेते हैं, लेकिन असली फर्क ताजे और घर के बने खाने में होता है।

आजकल ब्राउन शुगर, क्विनोआ, मल्टीग्रेन ब्रेड और दूसरे महंगे हेल्दी फूड्स का काफी ट्रेंड है। क्या ये वास्तव में पारंपरिक खाने से बेहतर हैं?

आशिमा जैन: मेरी राय में घर का साधारण खाना सबसे बेहतर है। दलिए और क्विनोआ की न्यूट्रिशन वैल्यू में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। लोग सिर्फ ट्रेंड देखकर महंगे फूड्स खरीद रहे हैं। ब्राउन शुगर को लोग हेल्दी समझते हैं, जबकि यह भी नुकसानदायक है। पैकेट पर "Healthy" लिखा देखकर लोग उसे खरीद लेते हैं, लेकिन उसके पीछे लिखे इंग्रीडिएंट्स नहीं पढ़ते। घर का ताजा और सादा खाना हमेशा बेहतर विकल्प है।

लोग दो-तीन महीने डाइट करते हैं और फिर पुरानी लाइफस्टाइल में लौट जाते हैं। क्या यही सबसे बड़ी गलती है?

आशिमा जैन: बिल्कुल। वजन कम करना जितना मुश्किल है, उसे बनाए रखना उससे भी ज्यादा जरूरी है। कई लोग वजन कम होते ही फिर से तला-भुना और जंक फूड खाना शुरू कर देते हैं। एक दिन की ओवरईटिंग कई दिनों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। डाइट कोई तीन महीने का प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल है।

सलाद भी लोग अब ड्रेसिंग और सॉस के साथ खाना पसंद करते हैं। क्या इससे उसका फायदा कम हो जाता है?

आशिमा जैन: बिल्कुल। लोग सलाद को हेल्दी कम और स्वादिष्ट ज्यादा बना देते हैं। ज्यादा सॉस, ड्रेसिंग या मीठे फ्लेवर डालने से उसकी न्यूट्रिशन वैल्यू काफी कम हो जाती है। हेल्दी खाना तभी हेल्दी रहेगा, जब उसमें अनावश्यक चीजें न मिलाई जाएं।

आखिर स्वस्थ जीवनशैली के लिए आपका सबसे बड़ा संदेश क्या है?

आशिमा जैन: सबसे पहले अपनी गट हेल्थ का ध्यान रखें। अच्छी पाचन शक्ति ही अच्छी स्किन, अच्छे बाल और बेहतर स्वास्थ्य की नींव है। घर का दाल-रोटी, सब्जी, दलिया, फल और सलाद जैसे साधारण भोजन सबसे बेहतर हैं। महंगे सुपरफूड्स, प्रोटीन बार और सोशल मीडिया ट्रेंड्स के पीछे भागने की बजाय संतुलित भोजन, सही मात्रा, नियमित व्यायाम और अनुशासित जीवनशैली अपनाइए। यही असली फिटनेस का राज है।

अंतिम संदेश - आशिमा जैन

'फिट रहने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सोशल मीडिया ट्रेंड्स के पीछे भागने के बजाय अपने शरीर की जरूरत को समझिए। साधारण घर का खाना, सही मात्रा, नियमित दिनचर्या और संतुलित जीवनशैली ही लंबे समय तक स्वस्थ रहने का सबसे बड़ा मंत्र है।'

मोहाली में दो साइबर ठगी, 40 लाख से अधिक उड़ाए

- गैस बिल अपडेट और शेयर ट्रेडिंग के नाम पर बनाया शिकार
- जीरकपुर के दो लोगों से ठगे 17.20 और 22.80 लाख रुपये
- साइबर थाने में अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। पुलिस की लगातार चेतावनी के बावजूद जिले में साइबर ठगी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। जीरकपुर में सामने आए दो अलग-अलग मामलों में साइबर ठगों ने गैस बिल अपडेट और ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर दो लोगों से 40 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। दोनों मामलों में जिला साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन मोहाली ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में जीरकपुर निवासी दीवान चंद को गैस बिल अपडेट करने संबंधी एक संदेश मिला। संदेश को असली समझकर उन्होंने उसमें दिए गए निर्देशों का पालन किया। इसी दौरान साइबर ठगों ने उनकी बैंकिंग जानकारी हासिल कर ली और उनके खाते से करीब 17.20 लाख रुपये निकाल लिए। शिकायत मिलने के बाद साइबर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66-डी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दूसरे मामले में जीरकपुर निवासी 50 वर्षीय आशुतोष त्रिवेदी को अप्रैल माह में व्हाट्सएप पर एक लिंक मिला, जिसके माध्यम से उन्हें 202 इंडियन हाई नेट वर्थ ट्रेडिंग नामक ग्रुप में जोड़ा गया। ग्रुप में मौजूद लोग खुद को शेयर बाजार विशेषज्ञ बताते हुए निवेश पर भारी मुनाफे का दावा करते थे। उनके झांसे में आकर आशुतोष ने अलग-अलग बैंक खातों में कुल 22.80 लाख रुपये निवेश के नाम पर ट्रांसफर कर दिए।

जब उन्होंने अपनी निवेश राशि और मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हो चुकी है। इसके बाद उन्होंने साइबर पुलिस से शिकायत की। साइबर पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ठगी की रकम प्राप्त करने वाले खाताधारकों की पहचान करने में जुटी है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, निवेश के आकर्षक ऑफर या गैस, बिजली एवं अन्य यूटिलिटी बिल अपडेट करने संबंधी संदेशों पर बिना सत्यापन भरोसा न करें। किसी भी व्यक्ति के साथ बैंकिंग जानकारी, ओटीपी या पासवर्ड साझा न करें। यदि साइबर ठगी का संदेह हो तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं।

पेज 06 सावन में श्री गणेश की पालकी यात्रा से...

विश्वास की जीत: चौथी बार अध्यक्ष चुने गए नंद कुमार जैन, संस्थाओं के आधुनिकीकरण का दिया भरोसा

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। एस.एस. जैन गर्ल्स स्कूल कमेटी के चुनाव में नंद कुमार जैन लगातार चौथी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्हें 48 में से 39 मत प्राप्त हुए, जो समिति के सदस्यों के भरोसे और उनके पिछले कार्यकाल के प्रति विश्वास को दर्शाता है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष नंद कुमार जैन ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि समिति से जुड़ी सभी शैक्षणिक संस्थाओं को गुणवत्ता, अनुशासन और आधुनिक शिक्षा के नए मानकों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास, शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने समिति के सभी 58 सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव समाप्त हो चुका है और अब सभी का एकमात्र उद्देश्य संस्थाओं का विकास होना चाहिए। उन्होंने सभी सदस्यों से मिलकर टीम भावना के साथ कार्य करने की अपील की। जैन ने कहा कि बदलते समय में शैक्षणिक संस्थानों को केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार, नवाचार, नैतिक मूल्यों और तकनीकी दक्षता के लिए भी तैयार करना होगा। उन्होंने समाज के सहयोग से संस्थाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। समिति से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों ने भी उम्मीद जताई कि अनुभवी नेतृत्व के चलते शिक्षा, प्रशासन और अधोसंरचना से जुड़े कई नए प्रकल्प तेजी से आगे बढ़ेंगे। चुनाव परिणाम के बाद समर्थकों और पदाधिकारियों ने नंद कुमार जैन का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

आरटीए ऑफिस में टैक्सी यूनियन का प्रदर्शन, आधे कपड़े उतार अधिकारी खिलाफ जताया विरोध

ऑफिस क्लर्क और स्टॉफ काम छोड़ अधिकारी के ऑफिस बैठे, काम हुआ प्रभावित

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। लुधियाना स्थित रिजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (आरटीए) में टैक्सी यूनियन द्वारा प्रदर्शन किया गया। उन्होंने आरटीए को बेईमान कहा। टैक्सी यूनियन के प्रधान ने आरटीओ के खिलाफ अर्द्धनग्न होकर जमकर नारेबाजी की। इस बीच मिनी बस ऑपरेटर भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आरटीओ को ईमानदार बताते हुए उनके समर्थन में जिंदाबाद के नारे लगाए। देखते ही देखते दफ्तर परिसर में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। टैक्सी यूनियन का आरोप है कि आरटीओ को बार-बार शिकायत करने पर भी वो प्राइवेट व अवैध तरीके से चल रही मिनी बसों व कारों पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। प्राइवेट कारों को टैक्सी के रूप में चलाने से उन्हें नुकसान झेलना पड़ रहा है। जिसके चलते उन्होंने परेशान होकर आरटीए ऑफिस में धरना लगाया। लेकिन मिनी बस ऑपरेटरों द्वारा आरटीए की हिमायत की जा रही है।

मिनी बस ऑपरेटर यूनियन आरटीए के हक में उतरी

वहीं, जगराओं मिनी बस यूनियन के अध्यक्ष भीम सिंह अपने समर्थकों संग आरटीओ अधिकारियों के समर्थन में उतरे। मिनी बस ऑपरेटरों ने आरटीए को ईमानदार बताते हुए जिंदाबाद के नारे लगाए। इसके बाद टैक्सी चालकों और बस ऑपरेटरों के बीच बहस भी हुई। दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी लगाते रहे।

अपने बचाव को क्लर्क आरटीए ऑफिस जाकर बैठे

वहीं इस प्रदर्शन के दौरान क्लर्कों को अपना पाला पड़ गया। उन्हें लगा कि यूनियन के सदस्य उन पर भी आरोप लगाएंगे। जिसके बाद सभी क्लर्क व अन्य स्टॉफ अपना काम छोड़कर आरटीए के ऑफिस में जाकर बैठ गए। जिस कारण काम कराने को आए लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी।

आरटीए ऑफिस स्टॉफ द्वारा मौके पर पुलिस बुलाई गई। पुलिस ने मामला शांत किया और टैक्सी यूनियन को अंदर जाने से रोक दिया। जानकारी के अनुसार टैक्सी एवं ऑटो चालकों ने यूथ आजाद यूनियन के अध्यक्ष शरण सिंह और शहीद भगत सिंह टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष कुणाल शर्मा के नेतृत्व में आरटीओ कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान शरण सिंह ने अपना विरोध जताने के लिए अर्द्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। चालकों ने आरटीओ और एआरटीओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए।

ई-रिक्शा सवार महिला से दिनदहाड़े सोने की चेन झपटी, पीछा करने के प्रयास में सड़क पर गिरी

सुनील पांडे

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। टिब्बा रोड स्थित एक पेट्रोल पंप के पास दिनदहाड़े बाइक सवार दो बदमाशों ने ई-रिक्शा में सवार महिला से सोने की चेन झपट ली। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। आरोपितों को पकड़ने की कोशिश में महिला चलती ई-रिक्शा से सड़क पर गिर गई, जिससे उसे मामूली चोटें आईं। गिरने के दौरान उसका मोबाइल फोन भी टूट गया। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपितों की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार घटना 17 जुलाई की है। पीड़ित महिला घर से सामान खरीदने के लिए ई-रिक्शा में सवार होकर बाजार जा रही थी। जैसे ही ई-रिक्शा टिब्बा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, पीछे से काले रंग की

मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आए। उन्होंने बाइक को ई-रिक्शा के बराबर चलाया और पीछे बैठे युवक ने महिला के गले में पहनी सोने की चेन झपट ली। वारदात के तुरंत बाद महिला ने बदमाशों का पीछा करने और उन्हें पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से वह चलती ई-रिक्शा से नीचे सड़क पर गिर गई। हादसे में उसे हल्की चोटें आईं। वहीं, हाथ से छूटकर उसका मोबाइल फोन सड़क पर गिर गया और क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों आरोपित तेज रफ्तार बाइक पर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फुटेज में दोनों आरोपित वारदात को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस बाइक के नंबर और आरोपितों के हुलिए के आधार पर उनकी पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

1500 महीना, रोज की वसूली अलग... फिर भी कूड़े के ढेर पर बिक रही सब्जियां!

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। 'स्वच्छ लुधियाना' के बड़े-बड़े दावों के बीच जस्सियां इलाके की यह तस्वीर हर दावे पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। यहां सब्जी मंडी नहीं, बल्कि कूड़े के ढेर के बीच जिंदगी और रोजगार की जंग लड़ते रेहड़ी वालों की मजबूरी दिखाई देती है। बदबू इतनी कि कुछ मिनट खड़ा होना मुश्किल, लेकिन गरीब दुकानदार सुबह से शाम तक इसी माहौल में ग्राहकों का इंतजार करने को मजबूर हैं हैरानी की बात यह है कि नगर निगम हर रेहड़ी से हर महीने 1500 वसूलता है। इतना ही नहीं, सफाई के नाम पर रोजाना 20 की अतिरिक्त वसूली भी की जाती है। सवाल यह है कि जब सफाई का पैसा पूरा लिया जा रहा है, तो फिर सड़क पर कूड़े के पहाड़ क्यों खड़े हैं? सब्जी

विक्रेता का कहना है कि गंदगी और बदबू के कारण अब ग्राहक भी बाजार आने से कतराने लगे हैं। बिक्री लगातार घट रही है और परिवार का गुजारा करना मुश्किल होता जा रहा है। उनका कहना है कि निगम सिर्फ पैसे लेने में आगे है, लेकिन सफाई करने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार नगर निगम के जोन-ए कार्यालय और नगर निगम आयुक्त को शिकायतें भेजी गईं। सोशल मीडिया पर कूड़े के ढेर की तस्वीरें और वीडियो भी वायरल हुए, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब भी गहरी नींद में नजर आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर यही हाल रहा तो यह सिर्फ गंदगी का नहीं, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य संकट का कारण भी बन सकता है। अब सवाल सिर्फ सफाई का नहीं, बल्कि उन गरीब परिवारों की रोजी-रोटी का भी है, जो हर दिन कूड़े और बदबू के बीच अपनी जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं।

फेज-2 मार्केट में मॉसकट स्कूल मार्ट शोरूम का शटर तोड़कर चोरी, नकदी समेत लाखों का सामान ले गए बदमाश

आई-10 कार में आए चोरों ने देर रात दिया वारदात को अंजाम; मार्केट एसोसिएशन ने पुलिस गश्त बढ़ाने और सख्त कार्रवाई की मांग उठाई

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। शहर में लगातार बढ़ रही चोरी और स्नैचिंग की घटनाओं के बीच फेज-2 मार्केट में एक और बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। रविवार देर रात करीब 2:15 बजे अज्ञात बदमाशों ने मार्केट स्थित मस्कट स्कूल मार्ट शोरूम को निशाना बनाया।

चोर शोरूम के पिछले हिस्से का शटर तोड़कर अंदर घुसे और व्यवस्थित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दुकान मालिक अनिल अरोड़ा के अनुसार अगले दिन जब वह दुकान पर पहुंचे तो अंदर का सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर पता चला कि चोर दो लैपटॉप, करीब 85 हजार रुपए नकद, सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर, 20 लैपटॉप बैग और एक सीसीटीवी कैमरा चोरी कर ले गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि आरोपी आई-10 कार में आए थे। घटना के बाद दुकानदारों में रोष है और मार्केट एसोसिएशन ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

चोरी की बढ़ती घटनाओं से दुकानदारों में असुरक्षा...फेज-2 मार्केट के दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कई दुकानों को पहले भी चोर निशाना बना चुके हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इससे व्यापारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। दुकानदारों का आरोप है कि बार-बार शिकायतें देने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उनका कहना है कि रात के समय पर्याप्त पुलिस गश्त नहीं होने से बदमाश बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग दोहराई है।

मार्केट एसोसिएशन ने कमिश्नर और एसएसपी से की मांग...मार्केट एसोसिएशन के प्रधान नितेश विंज ने कहा कि चोरी की लगातार घटनाएं व्यापारियों के लिए चिंता का विषय बन चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। नितेश विंज ने नगर निगम कमिश्नर और एसएसपी मोहाली से फेज-2 मार्केट का दौरा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मार्केट क्षेत्र में अवैध कब्जों और रेहड़ी-फड़ी व्यवस्था को नियंत्रित किया जाए तथा नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए।

शटर तोड़कर दुकान में घुसे, सामान पेटियों में भरकर ले गए

सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया है कि बदमाश देर रात एक आई-10 कार में मार्केट पहुंचे थे। उन्होंने पहले शोरूम के पिछले हिस्से का शटर तोड़ा और फिर दुकान के अंदर प्रवेश किया। चोरों ने आराम से दुकान की तलाशी ली और कीमती सामान पेटियों में भर लिया। वारदात के दौरान उन्होंने सीसीटीवी सिस्टम की डीवीआर भी अपने साथ ले ली ताकि पहचान से बच सकें। फुटेज में कुछ संदिग्ध गतिविधियां कैद हुई हैं, जिनके आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि वाहन की पहचान होने के बाद जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

गैस बिल अपडेट के नाम पर रिटायर्ड बैंक अधिकारी से 13.65 लाख की साइबर ठगी

व्हाट्सएप पर भेजे लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल हुआ हैक

- पति-पत्नी के बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड से उड़ाई रकम, मोहाली साइबर थाने में केस दर्ज

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। गैस बिल अपडेट कराने के नाम पर व्हाट्सएप पर भेजे गए फर्जी लिंक के जरिए साइबर ठगों ने एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी और उनकी पत्नी से 13.65 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। लिंक पर क्लिक करते ही पीड़ित का मोबाइल हैक हो गया और कुछ ही मिनटों में अलग-अलग बैंक खातों व क्रेडिट कार्ड से रकम निकाल ली गई। स्टेट साइबर क्राइम थाना मोहाली ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फेज-4 मोहाली निवासी 67 वर्षीय गुरचरण सिंह, जो बैंक से सेवानिवृत्त हैं, ने शिकायत में बताया कि एक जून 2026 को उनके व्हाट्सएप पर अज्ञात नंबर से अडानी गैस के नाम से मैसेज आया। मैसेज में गैस बिल लंबित बताते हुए उसे अपडेट करने के लिए कहा गया। संपर्क करने पर आरोपी ने व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा और बिल अपडेट करने के लिए 13 रुपये जमा करने को कहा। जैसे ही गुरचरण सिंह ने लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल हैक हो गया। करीब दो-तीन मिनट बाद उनके एक्सिस बैंक खाते से 7,27,643.76 रुपये, आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड से 1,22,928 रुपये और उनकी पत्नी के इंडसइंड बैंक खाते से 5,14,951 रुपये ट्रांसफर हो गए। इस तरह दोनों के साथ कुल 13,65,522.76 रुपये की साइबर ठगी हुई।

प्रारंभिक जांच के आधार पर स्टेट साइबर क्राइम थाना मोहाली में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 61(2) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66-डी के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपियों की पहचान करने, मोबाइल नंबर, बैंक खातों और ट्रांजेक्शन की डिजिटल जांच में जुटी है।

-कुलवंत सिंह, इंस्पेक्टर थाना साइबर क्राइम मोहाली

पीड़ित ने घटना की शिकायत तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज कराई और बैंक खातों की ट्रांजेक्शन स्टेटमेंट भी पुलिस को सौंपी। जांच में सामने आया कि अज्ञात साइबर ठगों ने फर्जी लिंक भेजकर मोबाइल हैक किया और बैंक खातों व क्रेडिट कार्ड से अवैध तरीके से रकम निकाल ली।

लुधियाना बना साइबर ठगी की रकम निकालने का हॉटस्पॉट

विभिन्न बैंक शाखाओं से चेक के जरिए निकाली जा रही थी ठगी की रकम

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। लुधियाना जिले में साइबर ठगी से हासिल रकम चेक के जरिए निकालने वाले एक संगठित नेटवर्क का खुलासा होने के बाद स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन मोहाली में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि साइबर ठगी से प्राप्त धन को बैंक खातों के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से निकालकर उसका इस्तेमाल किया जा रहा था। विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि लुधियाना साइबर वित्तीय धोखाधड़ी की रकम निकालने का बड़ा केंद्र बन गया है। इसके बाद भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (एलवाईसी) के पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि 1 जनवरी 2026 से अब तक लुधियाना जिले की विभिन्न बैंक शाखाओं से करीब 1 करोड़ से ज्यादा की साइबर ठगी की रकम चेक के माध्यम से निकाली गई है। पुलिस ने इन आंकड़ों का मिलान राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएफसी फर्म) से भी किया। संबंधित शिकायतों के सत्यापन के बाद यह पाया गया कि लोगों को अलग-अलग तरीकों से ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाकर उनकी रकम बैंक खातों में ट्रांसफर की गई और बाद में चेक के जरिए निकाली गई। प्राथमिक जांच में पुलिस को आशंका है कि इस पूरे मामले में एक सुनियोजित आपराधिक गिरोह सक्रिय है, जो साइबर ठगी की रकम निकालने, छिपाने और उसके उपयोग का काम कर रहा है। पुलिस का कहना है कि एक ही जिले की बैंक शाखाओं का बार-बार इस्तेमाल और रकम निकालने का एक समान तरीका बड़े आपराधिक षड्यंत्र रच रहा है।

उक्त तथ्यों के आधार पर स्टेट साइबर क्राइम थाना पंजाब फेज-4 मोहाली में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 318(4) और 61(2) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66-सी व 66-डी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जांच के दौरान बैंक खातों की केवाईसी, चेक के माध्यम से हुई निकासी और खातों के वास्तविक संचालन की जांच की जा रही है। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर धाराओं में नई धाराएं भी जोड़ी जा सकती हैं।

अमनदीप कौर, इंस्पेक्टर जांच अधिकारी
थाना साइबर क्राइम

मोहाली में 8 ट्रैवल एजेंसियों के लाइसेंस रद्द

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट-2012 के तहत कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट गीतिका सिंह ने जिले की आठ ट्रैवल एजेंसियों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं। यह कार्रवाई लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बाद निर्धारित समय के भीतर उनका नवीनीकरण नहीं कराने के कारण की गई। एडीसी ने बताया कि संबंधित ट्रैवल एजेंसियों को पहले पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट-2012 के तहत आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों और पुलिस सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर लाइसेंस जारी किए गए थे। हालांकि, लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बाद एजेंसियों ने तय समय सीमा के भीतर उनका नवीनीकरण नहीं कराया। एक्ट के नियमों के अनुसार बिना वैध लाइसेंस या नवीनीकरण के ट्रैवल कारोबार करना कानून का उल्लंघन है। इसी के मद्देनजर कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए लाइसेंस रद्द करने के आदेश जारी किए गए। रद्द किए गए लाइसेंसों में स्पेक्ट्रम स्टडी (फेज-2, मोहाली), राइट वीजा टिप एलएलपी (सेक्टर-70, मोहाली), एसबीएमसी ओवरसीज (फेज-3बी2, मोहाली), रॉबिन्स इंटरनेशनल लीगल सर्विसेज (जीरकपुर), माइंडरोइड कंसल्टेंसी एलएलपी (देसू माजरा, खरड़), द फ्यूजन वर्ल्ड वीजा कंसल्टेंसी (देसू माजरा, खरड़), ऑस्टिन इंस्टीट्यूट (खरड़) और दया आईएलटीएस स्टडी प्वाइंट (गांव माजरी, खरड़) शामिल हैं। एडीसी ने स्पष्ट किया कि पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट-2012 की धारा 6(1)(ई) के तहत इन सभी फर्मों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द किए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में इन फर्मों, उनके मालिकों व पार्टनरों के खिलाफ कोई शिकायत आई, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित पक्षों की होगी।

पेज 12 भाजपा की नीट परीक्षा शुरू, धर्मेंद्र प्रधान ने अमित...

गेमिंग-बेटिंग ऐप कारोबार बना खुला खेल फरुर्खाबादी, जिम्मेदार कार्रवाई की जगह बन रहे अनजान

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। लुधियाना में गेमिंग और बेटिंग ऐप का कारोबार ट्रेंड बनता जा रहा है। हालात यह है कि यूथ द्वारा गेमिंह ऐप के इस काले कारोबार को अपना प्रोफेशन बनाना शुरू कर दिया गया है। जिसके चलते उनकी और से इसे खुला खेल फरुर्खाबादी बना दिया गया है, यानि कि बिना किसी डर स्पष्ट रुप से अपना काम करना। यूथ द्वारा सरेआम गेमिंग ऐप के जरिए सट्टे लगाकर लाखों-करोड़ों रुपए का हेरफेर किया जा रहा है। उनके लिए गेमिंग और बेटिंग ऐप एक ईजी मनी वे बन चुकी है। युवाओं के दिमाग में बिना मेहनत किए पैसा हासिल करने का लालच इस कदर भर चुका है कि वे अपने पेरेंट्स तक की बात सुनने को तैयार नहीं है। हैरानी की बात तो यह है कि जहां इस सट्टेबाजी के खेल के बारे में पूरे शहर को जानकारी है, लेकिन जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों बेखबर हुए बैठे हैं। चर्चा है कि उन्हें इसके बारे में अच्छे से पता है, लेकिन फिर भी वे लापरवाही कर रहे हैं। मगर उनकी यहीं लापरवाही आगे जाकर यूथ को गलत रास्ते पर ले जाएगी, जहां से वापिस मुड़ना मुश्किल होगा।

यूथ में गेमिंग और बैटिंग ऐप का बढ़ रहा क्रेज, अधिकारी नहीं ले रहे एक्शन

दिहाड़ी करने वाले भी बने करोड़पति

चर्चा है कि इस गेमिंग और बेटिंग ऐप के जंजाल में फंसकर कई लोगों के घर तक बिक गए। जबकि कई लोग रातों रात अमीर बन गए। चर्चा है कि शहर में कई ऐसे लोग मौजूद हैं, जो पहले दिहाड़ी करते थे, लेकिन फिर इस सट्टेबाजी के कारोबार में पड़कर करोड़पति बन गए। आज उन लोगों की नेट वर्थ ही कई सो करोड़ की आंकी जाती है।

इंडस्ट्री में वर्करों की शॉर्टेज, यूथ का सट्टे की तरफ लगाव

एक तरफ इंडस्ट्री द्वारा वर्करों की शॉर्टेज होने की बात कही जाती है। कारोबारियों द्वारा यह भी दावे किए जाते हैं कि इसी तरह वर्करों की शॉर्टेज रही तो जल्द इंडस्ट्री को ताला लग जाएगा। लेकिन दूसरी तरफ यूथ द्वारा अपने पारिवारिक बिजनेस को संभालने की जगह ईजी मनी के लालच में इन गेमिंग ऐप का सहारा लिया जा रहा है। जिसके चलते कई युवा तो शहर छोड़ने तक को तैयार हैं।

प्रशासन बन रहा अनजान

वहीं चर्चा है कि इस गेमिंग, बेटिंग और ट्रेडिंग के धंधे में फंसे लोग सरेआम नियमों का उल्लंघन करने से भी पीछे नहीं हटते। उनकी और से शहर के रेस्त्रां में जमकर हुक्का पीया जाता है। पुरुषों के साथ साथ महिलाएं भी इस हुक्का पार्टी का हिस्सा बनती है। चर्चा है कि प्रशासन को इस संबंध में पूरी जानकारी है, लेकिन फिर भी अनजान बन रहे हैं।

बनिया फैमिली की नेट वर्थ 1000 करोड़ से भी ज्यादा

इस गेमिंग ऐप के खेल के बीच शहर की एक बनिया फैमिली चर्चा का विषय बनी हुई है। चर्चा है कि उक्त बनिया फैमिली कुछ समय पहले फाइनेंशियल तौर पर काफी डाउन थी। लेकिन फिर गेमिंग ऐप के जरिए उन्होंने ऐसी कमाई की कि आज उनकी नेट वर्थ 1000 करोड़ से अधीक की बताई जाती है। हालांकि यह सभी चर्चाएं हैं, अब इन पर कितना यकीन किया जाना चाहिए, यह सभी अच्छे से जानते हैं।

दूसरों की लग्जरी लाइफ देख अट्रैक्ट हो रहे लोग

एक तरफ जहां गेमिंग ऐप के जरिए करोड़ों रुपए कमाने वाले लोगों द्वारा महंगी गाड़ियां, बड़ी कोठियां लेकर अल्ट्रा लग्जरी लाइफ बिताई जाती है। दूसरी तरफ उनसे प्रभावित होकर कई लोग भी इस कारोबार की तरफ झुकाव कर रहे हैं। बनिया फैमिली जैसे लोगों को देखकर उनके करीबी भी अब गेमिंग ऐप में किस्मत अजमाने में लगे हुए हैं। लेकिन नकल के चक्कर में कई लोग अपना सब कुछ गंवा बैठते हैं।

ट्रेडिंग के जरिए भी लोगों को जाल में फंसा रहे ठग

एक तरफ यह गेमिंग ऐप का कारोबार जोरो पर है, दूसरी तरफ ट्रेडिंग कारोबार के जरिए भी लोग ठगे जा रहे है। कुछ लोग लीगल ट्रेडिंग करते हैं, लेकिन कुछ ट्रेडिंग के नाम पर ठगी मार रहे हैं। लुधियाना पुलिस ने कुछ समय पहले फिरोजगांधी मार्केट में वर्धमान फाइनेंस के मालिक पक्खोवाल रोड निवासी अनिल जैन, सनी कुमार और करमजीत कौर को गिरफ्तार किया था। जिन्होंने वी-ट्रेड ऐप के जरिए लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी मारी। जेल से जमानत पर रिहा होकर आए इन आरोपियों द्वारा फिर से उसी मार्केट से ट्रेडिंग का कारोबार किया जा रहा है। हालांकि अनिल जैन खुद को बेकसूर बताते हैं। अब अनिल जैन या पुलिस दोनों में कौन सही है, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन पुलिस ने इन्हें जिस धंधे में अवैध काम करने पर गिरफ्तार किया था, वहीं कारोबार दोबारा कर रहे हैं है। अब देखना होगा कि पुलिस और ईडी द्वारा इन पर किया एक्शन लिया जाता है।

जवद्दी नहर पुल के पास नगर निगम की कार्रवाई, नोटिस के बावजूद जारी अवैध व्यावसायिक निर्माण ढहाया

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। अवैध निमार्णों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नगर निगम जोन-डी की बिल्डिंग शाखा ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। निगम टीम ने ज्वद्दी नहर पुल के पास निमार्णाधीन एक व्यावसायिक इमारत के अवैध हिस्से को ध्वस्त कर दिया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, उक्त निर्माण के खिलाफ पहले भी कार्रवाई की गई थी, लेकिन मालिक ने नोटिस जारी होने के बावजूद अवैध निर्माण कार्य जारी रखा। यह निर्माण इमारत नियमों का उल्लंघन करते हुए किया जा रहा था। निगम को इस अवैध निर्माण संबंधी शिकायत मिलने के बाद निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार के निदेर्शों पर कार्रवाई की गई। बिल्डिंग शाखा की टीम मौके पर पहुंची और अवैध हिस्से को गिरा दिया। नगर निगम अधिकारियों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे किसी भी निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले नगर निगम से बिल्डिंग प्लान की मंजूरी जरूर लें। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बिना मंजूरी के किए जा रहे अवैध निमार्णों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

तेरा क्या होगा, कार्यकर्ता ? पंजाब में चुनावी मौसम और कांग्रेस का हाल

पंजाब में हर चुनावी मौसम एक ही स्क्रिप्ट के साथ शुरू होता है। नाराज कांग्रेस नेता नया राजनीतिक पता ढूंढने लगते हैं, और भाजपा को अचानक पता चलता है कि कल के विरोधी आज के कीमती एसेट हैं। अगर 'शोले' को पंजाब के राजनीतिक माहौल पर एक राजनीतिक सटायर के तौर पर दोबारा बनाया जाता, तो एक डायलॉग लगभग पक्का बच जाता: "तेरा क्या होगा, कालिया?" बस इस बार, सवाल कालिया से नहीं, बल्कि बीजेपी के वफादार पार्टी वर्कर से होगा। 'तेरा क्या होगा, कार्यकर्ता?' पंजाब बीजेपी प्रेसिडेंट सुनील जाखड़ कभी कांग्रेस में बड़े पदों पर थे। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से अलग होने के बाद पार्टी में शामिल हो गए। पूर्व फाइनेंस मिनिस्टर मनप्रीत सिंह बादल भी उनके पीछे-पीछे आए। पूर्व मंत्री राज कुमार वेरका, बलबीर सिंह सिद्धू, गुरप्रीत सिंह कांगड़, सुंदर शाम अरोड़ा और कई अन्य लोगों ने भी पिछले कुछ सालों में बीजेपी में जगह बनाई है। अब, रिपोर्ट्स बताती हैं कि चन्नी-राजा की लड़ाई के बाद और भी नाखुश कांग्रेसी नेता डिपार्चर लाउंज में इंतजार कर रहे हैं। इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। पॉलिटिक्स ने कभी भी परमानेंट दुश्मनों पर विश्वास नहीं किया है। जो अजीब है वह है बीजेपी वर्कर की स्थिति जिसने पंजाब में पार्टी को मजबूत करने में सालों बिताए हैं। सोचिए कि एक दशक बैनर लगाने, बूथ कमेटियों को ऑर्गनाइज करने, पार्टी का बचाव करने में बिताना। टेलीविजन डिबेट में, चुनावी हार से उबरते हुए और सब्र से अपने मौके का इंतजार करते हुए। फिर, टिकट बंटवारे से ठीक पहले, एक नेता जो सालों से बीजेपी पर हमला करता रहा है, अंदर आता है, भगवा दुपट्टा पहनता है और उसे ₹मजबूत कैंडिडेटर₹ के तौर पर पेश किया जाता है। कोई लगभग कल्पना कर सकता है कि गब्बर सिंह टिकट बांट रहा है।

संदीप शर्मा, सम्पादक

'अरे ओ सांभा... कितने कार्यकर्ता थे?'

'सरदार... हजारों।'

'और टिकट कितनों को मिला?'

'...सरदार, वही जो कल ही आए हैं।'

बीजेपी को कैडर-बेस्ड ऑर्गनाइजेशन होने पर गर्व है। यह इसकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। लेकिन कैडर-बेस्ड पॉलिटिक्स में एक अनलिखा वादा भी होता है कि जब फैसले लिए जाएँगे तो वफादारी मायने रखेगी। नहीं तो, वर्कर सोचता रह जाता है कि बीजेपी टिकट का सबसे छोटा रास्ता सालों की सर्विस से नहीं बल्कि कांग्रेस नाम की दूसरी पार्टी से है। सच कहूँ तो, हर पॉलिटिकल पार्टी ऐसा करती है। कांग्रेस बीजेपी नेताओं का स्वागत करती है। आप कांग्रेस के पुराने नेताओं को अपनाती है। रीजनल पार्टियाँ भी उतनी ही उत्साहित हैं। चुनाव का मौसम भारत का सबसे बड़ा पॉलिटिकल एक्सचेंज ऑफर बन गया है। फिर भी पंजाब में बीजेपी की चुनौती अलग। शिरोमणि अकाली दल से अलग होने के बाद, इसने एक इंडिपेंडेंट ऑर्गनाइजेशन बनाने के लिए डेडिकेटेड वर्कर्स पर बहुत ज्यादा भरोसा किया। जब इलेक्शन में जीत कम मिल रही थी, तब भी वे वर्कर्स पार्टी के साथ खड़े रहे। पक्का वे एक नए आने वाले के पीछे सिर्फ. थैंक-यू और पार्टी का झंडा लहराने से ज्यादा के हकदार हैं। विडंबना अपने आप लिख जाती है। एक लीडर सालों तक बीजेपी की बुराई करता है, इलेक्शन से कुछ महीने पहले जॉइन करता है और अचानक बदलाव का चेहरा बन जाता है। इस बीच, जिस वर्कर ने हर मुश्किल दौर में पार्टी का बचाव किया, उसे ऑर्गनाइजेशन के बड़े फायदे के लिए एडजस्ट करने के लिए कहा जाता है। इस प्रोसेस के आखिर में, वर्कर को खुद कालिया जैसा महसूस हो सकता है — चुपचाप खड़ा होकर जबकि कोई और उसकी किस्मत का फैसला कर रहा हो। शायद आखिरी डायलॉग अपने आप लिख जाता है। 'जो डर गया, वो घर गया' का एक पॉलिटिकल सीक्वल बन गया है।

'जो टिक गया, वो टिकट से गया?'...अगर बीजेपी पंजाब में आगे बढ़ना चाहती है तो उसे पक्का एक्सपीरियंस्ड लीडर्स और बड़े सोशल कोएलिशन की जरूरत है। लेकिन नए चेहरों का वेलकम करते समय, उसे पुराने चेहरों को भी याद रखना चाहिए। क्योंकि इलेक्शन सिर्फ. आखिरी मिनट में जॉइन करने वाले लीडर्स ही नहीं जीतते, बल्कि उन कार्यकताओं द्वारा भी जो कभी गए ही नहीं। और इससे पहले कि राजनीतिक लोगों के अगले बैच का फूलों से स्वागत हो, बीजेपी में कोई चुपचाप शोले जैसा सवाल पूछ सकता है: 'तेरा क्या होगा....कार्यकर्ता?'

यूटर्न टाइम

पंचकूला की बेटी यशिका शर्मा को मिला प्रतिष्ठित 'गवर्नर अवार्ड', जिले की पहली गाइड बनीं

पिंजौर/यूटर्न/20 जुलाई। संट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, पिंजौर की पूर्व छात्रा एवं भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की सदस्य यशिका शर्मा ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। उन्हें भारत स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा के सर्वोच्च राज्य सम्मान 'गवर्नर अवार्ड फॉर गाइड्स' से सम्मानित किया गया।

रूह से रूबरू

चारु नागपाल

10 महीनों में इसरो के 100 से अधिक वैज्ञानिकों ने क्यों छोड़ा संस्थान? क्या इसे साजिश कहना उचित होगा?

हाल के समय में यह रिपोर्ट सामने आई है कि 10 महीनों के भीतर इसरो (ISRO) के 100 से अधिक वैज्ञानिकों ने संस्थान छोड़ दिया। यदि ऐसा हुआ है, तो इसके पीछे कई संभावित कारण हो सकते हैं। देश के लोग इसके पीछे अलग अलग अटकलें लगा रहे हैं बहुत से लोग इसके पीछे किसी साजिश की संभावना भी जता रहे हैं लेकिन अगर इसके कारणों पर गौर किया जाए तो आज के मानसिक दबाव के दौर में बहुत से ऐसे कारण हैं जो वैज्ञानिकों को ऐसा कदम उठाने के लिए मजबूर कर सकते हैं। सबसे पहला कारण बेहतर वेतन और सुविधाओं की तलाश हो सकता है। निजी अंतरिक्ष कंपनियाँ और विदेशी संस्थान अनुभवी वैज्ञानिकों को अधिक आकर्षक वेतन, आधुनिक संसाधन और बेहतर करियर अवसर प्रदान करते हैं। दूसरा कारण कार्य का अत्यधिक दबाव और लंबी कार्य अवधि हो सकती है। इसरो के वैज्ञानिक जटिल और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं पर काम करते हैं, जिससे मानसिक और शारीरिक तनाव बढ़ सकता है। तीसरा कारण पदोन्नति और करियर विकास की सीमित संभावनाएँ भी हो सकती हैं, जिसके कारण कुछ वैज्ञानिक नए अवसरों की ओर रुख करते हैं। इसके अलावा, कुछ वैज्ञानिक उच्च शिक्षा, शोध या व्यक्तिगत कारणों से भी संस्थान छोड़ सकते हैं। सेवानिवृत्ति, पारिवारिक जिम्मेदारियाँ और स्थान परिवर्तन जैसे कारण भी कर्मचारियों के इस्तीफे का हिस्सा हो सकते हैं। हालाँकि, केवल इस्तीफों की संख्या के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि इसरो किसी संकट में है। किसी भी बड़े वैज्ञानिक संगठन में समय-समय पर कर्मचारियों का आना-जाना सामान्य प्रक्रिया होती है। वास्तविक कारणों की पुष्टि केवल इसरो या भारत सरकार द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के आधार पर ही की जानी चाहिए।

सावन में श्री गणेश की पालकी यात्रा से भक्तिमय हुआ माहौल : रविनंदन शर्मा/नरिंदर मक्कड़

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। लुधियाना श्री सिद्धि विनायक मंदिर, न्यू माया नगर, चूहड़पुर रोड, हैबोवाल कलां की ओर से आयोजित 23वें वार्षिक श्री गणेश महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्री गणेश जी की तीसरी साप्ताहिक पालकी यात्रा श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। पालकी यात्रा मंदिर के प्रधान रविनंदन शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश वंदना एवं भव्य संकीर्तन से हुआ। इस अवसर पर तीसरी पालकी यात्रा की सेवा का सौभाग्य नरिंदर मक्कड़ परिवार को प्राप्त हुआ। पालकी यात्रा नवीन नगर एवं हैबोवाल कलां की विभिन्न गलियों से होकर निकली। यात्रा का विश्राम

रविनंदन शर्मा एवं सोनिया के जस्सियां रोड स्थित राइजिंग स्टार प्ले-वे स्कूल में हुआ। मंदिर के प्रधान रविनंदन शर्मा ,नरिंदर मक्कड़,मुनीश कक्कड़ व चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि सावन का पावन महीना भगवान शिव की आराधना का विशेष काल है और भगवान श्री गणेश प्रथम पूज्य तथा भगवान शिव-पार्वती के प्रिय पुत्र हैं। इस अवसर पर चेयरमैन लाला सुरिंदर अग्रवाल, प्रधान रविनंदन शर्मा, महासचिव मुनीश कक्कड़, कैशियर चंद्रशेखर शर्मा, कपिल शर्मा,जयंत मल्होत्रा, राजू गोयल,कैप्टन मनोज शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या किसी की Photo बिना अनुमति Social Media पर डालना गलत है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

आजकल लोग किसी भी कार्यक्रम, पार्टी या सार्वजनिक स्थान पर फोटो खींचकर तुरंत Social Media पर डाल देते हैं। लेकिन क्या किसी की फोटो उसकी अनुमति के बिना पोस्ट करना हमेशा सही है?

उत्तर है—हर बार नहीं।

यदि किसी व्यक्ति की फोटो या वीडियो उसकी अनुमति के बिना इस तरह पोस्ट की जाती है, जिससे उसकी निजता (Privacy), प्रतिष्ठा या सम्मान को नुकसान पहुंचे, तो यह कानूनी विवाद का कारण बन सकता है। यदि किसी की फोटो का उपयोग फर्जी प्रोफाइल बनाने, विज्ञापन करने, बदनाम करने, AI से बदलने (Deepfake) या अशोभनीय तरीके से किया जाता है, तो संबंधित व्यक्ति कानूनी कार्रवाई कर सकता है।

हालांकि, यदि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम (Public Event) में सामान्य रूप से फोटो ली गई है और उसका गलत उपयोग नहीं किया गया है, तो हर मामले में इसे अपराध नहीं माना जाएगा। परिस्थितियां और फोटो का उपयोग कैसे किया गया है, यह महत्वपूर्ण होता है।

यदि आपकी फोटो का गलत इस्तेमाल किया गया है, तो सबसे पहले उसका Screenshot और Link सुरक्षित रखें। इसके बाद संबंधित Social Media Platform पर Report करें और जरूरत पड़ने पर Cyber Crime में शिकायत दर्ज कराएं। कई लोग मजाक या मनोरंजन के लिए दूसरों की फोटो पोस्ट कर देते हैं, लेकिन बाद में यही कानूनी विवाद का कारण बन सकती है।

निष्कर्ष: किसी की फोटो या वीडियो Social Media पर पोस्ट करने से पहले उसकी अनुमति लेना बेहतर है। यदि फोटो का गलत या अपमानजनक उपयोग किया जाता है, तो उसके कानूनी परिणाम हो सकते हैं।

जीएचजी अकादमी में 'आत्मविश्वास' का मंत्रःश

विद्यार्थियों को मिली सफलता की नई दिशा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/20/जुलाई। जी.एच.जी. अकादमी में हाल ही में आयोजित एक विशेष अतिथि व्याख्यान ने विद्यार्थियों के भीतर नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'आत्मविश्वास: सफलता की आधारशिला' था, जिसमें बतौर मुख्य वक्ता सरकारी हाई स्कूल, अमरगढ़ कलर की वरिष्ठ अंग्रेजी अध्यापिका जसप्रीत कौर ने शिरकत की।

साहस और संकल्प से बदलें भविष्य

अपने प्रेरक संबोधन में जसप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, "आत्मविश्वास केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का नजरिया है।" उन्होंने आगे बताया कि जीवन की राह में आने वाली बाधाएं हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमें और अधिक मजबूत बनाने के लिए आती हैं।

जसप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को तीन मुख्य मंत्र दिए:

सकारात्मक सोच: विपरीत परिस्थितियों में भी समाधान ढूंढने की कला विकसित करें।

कड़ी मेहनत: शॉर्टकट के बजाय निरंतर और केंद्रित प्रयास ही स्थायी सफलता दिलाते हैं।

दृढ़ संकल्प: अपने लक्ष्यों के प्रति अडिग रहना ही आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है।

विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी और एकाग्रता देखते ही बनती थी। कार्यक्रम के अंत में एक प्रश्नोत्तरी सत्र भी हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने संदेह दूर किए। विद्यार्थियों ने माना कि यह सत्र उनके लिए किताबी ज्ञान से परे, जीवन जीने की एक नई कला सीखने जैसा था।

अकादमी प्रशासन की सराहना:

अकादमी के प्राचार्य और समस्त स्टाफ सदस्यों ने जसप्रीत कौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सत्र विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत अनिवार्य हैं। उन्होंने जसप्रीत कौर के सारगर्भित और प्रेरणादायक संबोधन की मुक्त कंठ से सराहना की। इस आयोजन ने निश्चित रूप से अकादमी के विद्यार्थियों के मन में स्वयं के प्रति विश्वास और भविष्य के प्रति स्पष्टता पैदा की है।

एल.ए.डी.सी. नीति के विरोध में बार एसोसिएशन फगवाड़ा की हड़ताल लगातार जारी

शिव कौड़ा

फगवाड़ा/यूटर्न/20 जुलाई। निःशुल्क कानूनी सहायता से संबंधित लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एल.ए.डी.सी.) नीति में सुधार की मांग को लेकर बार एसोसिएशन फगवाड़ा द्वारा 7 जुलाई से शुरू की गई हड़ताल आज 14वें

दिन भी जारी रही। हड़ताल के कारण कोर्ट परिसर में दैनिक कामकाज प्रभावित रहा तथा अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्यवाही से दूर रहकर अपना विरोध दर्ज कराया।

क्षत्रिय समाज का इतिहास व संस्कार युवा पीढ़ी तक पंहुचाना हमारा दायित्व - डिंपल राणा

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा और महाराणा प्रताप राजपूत सभा की संयुक्त बैठक स्थानीय मुंडिया कलां स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में समाज हित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। गौतम पुंडीर, सुरजीत राणा, गुलजार गुलेरिया, जगदेव मिन्हास, उमेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पंजाब अध्यक्ष डिंपल राणा, कार्यकारी अध्यक्ष संत सिंह राणा और महाराणा प्रताप राजपूत सभा के अध्यक्ष राकेश मिन्हास विशेष तौर पर उपस्थित रहे। डिंपल राणा ने कहा कि अपने समाज के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और संस्कारों से जोडकर क्षत्रिय समाज की गौरवशाली परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर आशु राणा, एस के सिंह, के पी सिंह,संतोष तिवाड़ी, संदीप रघु, अमित डाडीच, अजय प्रताप सिंह, आर पी सिंह चंदेल, एडवोकेट रविन्द्र राणा, प्रकाश राणा, संतोष राणा, एस सी राणा, एस के राणा, प्रमोद राणा, सतपाल ठाकुर, महेंद्र सिंह ठाकुर, लोकेश ठाकुर, अशोक ठाकुर, अमरेन्द्रा गोविंद राव, डी एस चौहान सहित बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गुरु कुंदनलाल गंगानी की 100वीं वर्षगांठ पर शुभ साधना में बिखेरा कला का जादू

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। लुधियाना भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा, संस्कृति और साधना को समर्पित भव्य कथक समारोह शुभ साधना का आयोजन गुरु नानक पब्लिक स्कूल, सराभा नगर ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन का आयोजन अगर नगर स्थित शुभ मुद्रा डांस स्टूडियो की संस्थापक एवं कथक एक्सपोनेंट शुभजीत कौर ने कथक के महान आचार्य पद्मश्री गुरु कुंदनलाल गंगानी की 100वीं वर्षगांठ को समर्पित करते हुए किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विश्वविख्यात कथक गुरु एवं जयपुर घराने के प्रख्यात प्रतिनिधि पंडित राजेंद्र गंगानी की शानदार प्रस्तुति रही। उन्होंने अपनी सशक्त तत्कार, विलक्षण लयकारी, मनमोहक चक्कर, भावपूर्ण अभिनय और पारंपरिक कथक की बारीकियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का एक अन्य प्रमुख आकर्षण शुभजीत कौर की 11 वर्षीय शिष्या एवं गुरु नानक पब्लिक स्कूल, सराभा नगर की छात्रा जयजीत कौर रहीं। उन्होंने अपनी मनोहारी कथक प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। आयोजक शुभजीत कौर ने इस अवसर पर पंजाब के कला जगत को एक मंच पर एकत्रित किया। संगीत नाटक अकादमी, चंडीगढ़, प्राचीन कला केंद्र, चंडीगढ़, नामधारी समुदाय के प्रतिनिधियों सहित अनेक प्रतिष्ठित कथक गुरु, संगीतज्ञ, उस्ताद, कला समीक्षक और सांस्कृतिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

16 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा, फास्ट ट्रैक विशेष पॉक्सो कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

पंचकूला पुलिस की सशक्त पैरवी और वैज्ञानिक जांच से मिला पीड़िता को न्याय

पंचकूला/यूटर्न20 जुलाईः- महिला एवं बाल अपराधों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में पंचकूला पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

थाना कालका में वर्ष 2024 में दर्ज नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फास्ट ट्रैक विशेष पॉक्सो न्यायालय के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनीष दुआ ने आरोपी को दोषी करार देते हुए पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास, 50 हजार रुपये जुमार्ना तथा जुमार्ना अदा न करने पर 6 माह के अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला महिला एवं बाल अपराधों के प्रति न्यायालय की संवेदनशीलता तथा पंचकूला पुलिस की प्रभावी जांच का प्रमाण है। डीसीपी पंचकूला आईपीएस अदिति सिंह के अनुसार, 12 अप्रैल 2024 को थाना कालका में एक महिला ने अपनी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई थी, जिस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 365 के तहत मामला दर्ज किया।

जांच के दौरान पुलिस ने लगातार प्रयास कर 28 मई 2024 को नाबालिग को सकुशल बरामद किया। पीड़िता के बयान, मेडिकल परीक्षण तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 6 को शामिल किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने पीड़िता के न्यायालय में धारा 164 सीआरपीसी के तहत बयान दर्ज करवाए, मेडिकल एवं फॉरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए तथा स्कूल रिकॉर्ड के माध्यम से पीड़िता की आयु का प्रमाण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

वैज्ञानिक एवं तथ्यात्मक साक्ष्यों के आधार पर प्रभावी पैरवी की, जिसके परिणामस्वरूप फास्ट ट्रैक विशेष पॉक्सो न्यायालय, पंचकूला ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पंचकूला पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन ने कहा कि महिला एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए वैज्ञानिक जांच, ठोस साक्ष्य और प्रभावी पैरवी के माध्यम से दोषियों को कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी सजा दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों की सुरक्षा, गतिविधियों और ऑनलाइन संपर्कों पर सतर्क निगरानी रखें तथा किसी भी संदिग्ध घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मेयर ने हैबोवाल में किया औचक निरीक्षण, गौरव बग्गा के साथ किया पौधारोपण

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। मिशन क्लीन पंजाब अभियान के तहत लगातार दूसरे दिन मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर ने सोमवार को हैबोवाल क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न इलाकों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और सफाई कर्मचारियों की हाजिरी भी जांची, ताकि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान मेयर ने अधिकारियों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर सफाई कार्यों की समीक्षा की। उनके साथ निगम लीगल एडवाइजर गौरव बग्गा, जोनल कमिश्नर जसदेव सेखों, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विपल मल्होत्रा मौजूद रहे। इस दौरान मेयर ने गौरव बग्गा के साथ मिलकर क्षेत्र में पौधारोपण भी किया और लोगों से अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस दौरान गौरव बग्गा ने बताया कि मिशन क्लीन पंजाब अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। शहर में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं, लेकिन पूरे शहर को स्वच्छ बनाने के लक्ष्य को नागरिकों के सहयोग के बिना हासिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपील की कि यदि कहीं खुले में कूड़ा पड़ा दिखाई दे तो वे नगर निगम द्वारा जारी मानसून हेल्पलाइन नंबर 90867-91867 पर शिकायत दर्ज कराएं।

15 वर्षों से पौधों का लंगर लगाकर लुधियाना को हरा-भरा बना रहे तेजिंदर गुंबर

लुधियाना/यूटर्न/20 जुलाई। वार्ड नंबर 50 के दुगरी स्थित अर्बन विहार चौक में तेजिंदर सिंह गुंबर (रिंकू) पिछले करीब 15 वर्षों से पौधों का लंगर लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। उनके द्वारा हर वर्ष करीब 500 से 1000 पौधे लोगों को निशुल्क वितरित किए जाते हैं। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण भी कराया जाता है। तेजिंदर सिंह गुंबर इस अभियान का पूरा खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। उनका उद्देश्य लुधियाना को हरा-भरा बनाना और लोगों को अपने घरों, कॉलोनियों, पार्कों तथा आसपास के खाली स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना है। वह लोगों को केवल पौधे ही उपलब्ध नहीं करवाते, बल्कि उनकी देखभाल और संरक्षण के प्रति भी जागरूक करते हैं।

इस वर्ष भी अर्बन विहार चौक पर पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पौधे प्राप्त किए और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर लगाकर नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संजीव गुप्ता और रूपा गुप्ता ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई। तेजिंदर सिंह गुंबर ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण और लगातार कम होती हरियाली गंभीर चिंता का विषय है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, उसे पेड़ बनने तक संभालना भी हमारी जिम्मेदारी है।

बलटाना फर्नीचर मार्केट में आग ने फिर खोली सुरक्षा इंतजामों की पोल

खाली प्लॉट में रखे सोफों और कबाड़ ने पकड़ी आग, घने धुएं से लोगों का सांस लेना हुआ मुश्किल

जीरकपुर/यूटर्न/20 जुलाई। बलटाना की फर्नीचर मार्केट में दो दुकानों के बीच स्थित खाली प्लॉट में रखे पुराने सोफों और अन्य ज्वलनशील सामान में अचानक आग लगने से सोमवार को पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और काले धुएं का गुबार आसपास की दुकानों तथा रिहायशी क्षेत्र तक फैल गया। धुआं इतना घना था कि लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी और दुकानदार अपना सामान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखाई दिए।

आग लगते ही स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने अपने स्तर पर पानी की बाल्टियां, पाइप और अन्य साधनों से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को भी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग को आसपास की दुकानों तक फैलने से रोकने के लिए अभियान शुरू किया गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली, हालांकि आग में कई सोफे और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। इस घटना ने फर्नीचर मार्केट में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर

दिए हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि मार्केट में बड़ी मात्रा में लकड़ी, फोम, कपड़ा, पॉलिश और अन्य अत्यधिक ज्वलनशील सामग्री रखी रहती है। इसके बावजूद कई स्थानों पर फायर सेफ्टी उपकरण, पानी के पर्याप्त स्रोत और आपातकालीन रास्तों की उचित व्यवस्था नहीं है। व्यापारियों के अनुसार, इस मार्केट में पहले भी आग लगने की कई घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन हर घटना के बाद कुछ दिनों तक जांच और चेतावनी तक ही कार्रवाई सीमित रह जाती है। खाली प्लॉटों और दुकानों के बाहर पड़े कबाड़ तथा पुराने फर्नीचर को हटाने के लिए भी कोई नियमित अभियान नहीं चलाया जाता।

स्थानीय लोगों ने नगर परिषद और दमकल विभाग से मार्केट का विशेष फायर सेफ्टी ऑडिट करवाने, अवैध रूप से रखे ज्वलनशील सामान को हटाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते स्थायी इंतजाम नहीं किए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

45 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम संपन्न, 55 छात्राओं को मिले प्रमाण-पत्र; आत्मनिर्भर बनने का मिला संदेश

पंचकूला/यूटर्न/20 जुलाई। स्वावलंबवी केंद्र, पंचकूला द्वारा एक एनजीओ के सहयोग से आयोजित 45 दिवसीय इंटर्नशिप एवं कौशल विकास कार्यक्रम का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी कॉलेजों की 55 छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में पंचकूला नगर निगम के आयुक्त श्री विनय कुमार ने छात्राओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में आयुक्त श्री विनय कुमार ने कहा कि युवाओं, विशेषकर छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने वाले कौशल विकास कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर निगम की आईईसी (IEC) एवं बायो वॉलंटियर योजनाओं के माध्यम से भी छात्राओं को आगे लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा। उनकी इस घोषणा का छात्राओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

समारोह में हरियाणा कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक डॉ. राजेश गोयल, आई हेट पॉलीथिन के सरल गर्ग, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ओ.पी. सिंह तथा अरुण गर्ग भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्राओं को निरंतर सीखने और अपने कौशल का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ओ.पी. सिंह ने बताया कि इस इंटर्नशिप कार्यक्रम की रूपरेखा लगभग तीन माह पूर्व तैयार की गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था पिछले चार वर्षों से सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय के साथ विभिन्न चैरिटेबल एवं कौशल विकास गतिविधियों में कार्य कर रही है।

इसी सहयोग और विश्वास के आधार पर यह इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में रोजगारपरक कौशल, उद्यमिता, व्यक्तित्व विकास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना था, ताकि वे भविष्य में बेहतर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।

रामगढ़ क्षेत्र में पुलिस ने खनन सामग्री से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

पंचकूला/यूटर्न/20 जुलाई। पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन के नेतृत्व में पंचकूला पुलिस द्वारा जिले में अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए दिन-रात गश्त, नाकाबंदी और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिसके तहत रामगढ़ चौकी पुलिस ने अवैध खनन सामग्री से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़कर कार्रवाई की है। देर रात नियमित गश्त के दौरान रामगढ़ चौकी पुलिस टीम ने गांव बूंगा के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को संदिग्ध परिस्थितियों में खनन सामग्री ले जाते हुए रोका। जांच करने पर वाहन में अवैध रूप से खनन की गई सामग्री भरी मिली। पुलिस ने तुरंत ट्रैक्टर-ट्रॉली को अपने कब्जे में लेकर चौकी रामगढ़ पहुंचाया तथा नियमानुसार आगामी कार्रवाई के लिए माइनिंग विभाग को सूचना दी। विभागीय प्रक्रिया के तहत वाहन को इंपाउंड करवा दिया गया है तथा मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई जारी है। डीसीपी पंचकूला आईपीएस अदिति सिंह ने कहा कि जिले में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी चिन्हित माइनिंग क्षेत्रों में पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य तकनीकी संसाधनों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और इस अभियान को भविष्य में भी पूरी गंभीरता के साथ जारी रखा जाएगा।

मंदिर ग्रेनेड हमले के आरोपी दीवान सिंह उर्फ सन्नी को जमानत नहीं

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। अमृतसर के ठाकुर द्वारा सनातन मंदिर के बाहर 15 मार्च 2025 को हुए ग्रेनेड विस्फोट मामले में आरोपी दीवान सिंह उर्फ सन्नी उर्फ नुन्नी को एनआईए कोर्ट से नियमित जमानत नहीं मिली। विशेष न्यायाधीश ने सोमवार को सुनवाई के बाद जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री से आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनता है और यूएपीए की धारा 43-डी(5) के तहत जमानत देने पर रोक लागू है। मामला पहले छेहरटा थाना में ए 15 मार्च 2025 को दर्ज हुआ था। आरोप है कि शांति सेठ अस्पताल के पास स्थित ठाकुर द्वारा सनातन मंदिर के बाहर विस्फोट किया गया। बाद में गृह मंत्रालय के आदेश पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 1 अप्रैल 2025 को केस दोबारा दर्ज कर जांच अपने हाथ में ले ली। जांच के दौरान यूएपीए की धाराएं 16, 18 और 20 भी जोड़ी गईं। एनआईए के अनुसार, दीवान सिंह सह-आरोपी भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी का करीबी था और उसके जरिए विशाल उर्फ चुची और गुरसिदक सिंह उर्फ सिदकी के संपर्क में आया। एजेंसी का आरोप है कि 14 मार्च 2025 को विशाल और गुरसिदक ने मंदिर परिसर की रेकी के लिए दीवान सिंह की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया। यह मोटरसाइकिल बाद में एनआईए ने जब्त कर ली। जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि मंदिर पर ग्रेनेड फेंके जाने की जानकारी मिलने के बाद दीवान सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से विशाल को वॉयस मैसेज भेजकर पुलिस पीछा कर रही है और वहां से निकल जाओ, ऐसी चेतावनी दी। बाद में यह अकाउंट डिलीट किए जाने का भी आरोप है।

यूटर्न टाइम

सोमवार को हुई बारिश ने खोली जीरकपुर के विकास की पोल, सड़कें बनीं तालाब तो कई मार्गों पर लगा जाम

पटियाला रोड, अंबाला रोड, बलटाना, लोहगढ़, सिंहपुरा और नगला रोड सहित कई इलाकों में जलभराव, पानी भरने से यातायात व्यवस्था भी हुई प्रभावित

जीरकपुर/यूटर्न/20 जुलाई। सोमवार सुबह हुई तेज बारिश ने एक बार फिर जीरकपुर की जल निकासी व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी। महज कुछ घंटों की बारिश से शहर के प्रमुख मार्गों और रिहायशी इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं, जबकि कई स्थानों पर पानी भरने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा।

सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में पटियाला रोड, अंबाला रोड, पटियाला चौक से कालका चौक तक का मार्ग, गांव सिंहपुरा, नगला रोड, बलटाना, लोहगढ़ और शिवालिक विहार शामिल रहे। पटियाला रोड और अंबाला रोड पर जलभराव के चलते वाहनों की रफ्तार थम गई और कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही। कार्यालय और स्कूल जाने वाले लोगों को भी काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा।

बलटाना के मुख्य बाजार समेत अधिकांश गलियों में पानी भरने से दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को परेशानी उठानी पड़ी। शिवालिक विहार की कई गलियों में जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। वहीं, लोहगढ़ क्षेत्र में विश्वकर्मा मंदिर के सामने और आसपास की गलियों में भी भारी मात्रा में पानी जमा हो गया। हालांकि बारिश रुकने के करीब दो घंटे बाद यहां से पानी निकल गया, लेकिन तब तक लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

पटियाला रोड की दोनों ओर बनी सर्विस लेनों में भी पानी भरने से दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को जोखिम उठाकर गुजरना पड़ा। लगातार हर बरसात में बनने वाले ऐसे हालात ने एक बार फिर शहर की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग करते हुए कहा कि बरसात शुरू होते ही शहर का यही हाल हो जाता है, लेकिन अब तक प्रभावी और दीर्घकालिक व्यवस्था नहीं की गई।

जनहित समिति निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में हो रही है मानवता की सच्ची सेवा

□ अंतर्राष्ट्रीय लेखिका साहीवाल और सोनिया पुरी ने छात्रों को दिए नैतिक मूल्यों के संस्कार

पटियाला/यूटर्न/20 जुलाई। बचित्तर नगर, पटियाला स्थित जनहित समिति (पंजीकृत) द्वारा संचालित निःशुल्क जनहित समिति कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में एक विशेष गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय लेखिका मैडम अमरजीत कौर साहीवाल, जनहित समिति के संस्थापक सदस्य एवं अंतर्राष्ट्रीय लेखक एवं शिक्षा शास्त्री श्री अनिल कुमार भारती तथा निःस्वार्थ समाज सेविका श्रीमती सोनिया पुरी ने केंद्र का विशेष दौरा किया। समिति के मैनेजर सतीश जोशी ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान सभी प्रबुद्ध हस्तियों ने केंद्र में निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण ले रहे छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया और उनके सीखने के अनुभवों व प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

नैतिक मूल्यों और आधुनिक शिक्षा का महत्व बताते हुए

उपस्थित विद्यार्थियों को इन प्रबुद्ध व्यक्तित्वों ने आधुनिक युग में कंप्यूटर शिक्षा के बढ़ते महत्व के बारे विस्तार से प्रकाश डाला। शिक्षा के साथ-साथ जीवन में उच्च नैतिक मूल्यों की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे सदैव अपने माता-पिता और गुरुजनों का आदर-सत्कार करें। उन्होंने कहा कि जीवन में वास्तविक सफलता पाने के लिए आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ उच्च संस्कारों का होना अत्यंत अनिवार्य है।

रंगदारी न देने पर शैलर मालिक पर अंधाधुंध फायरिंग, कारोबारी ने डिफेंस में किए फायर तो भागे बदमाश

पंजाब/यूटर्न/20 जुलाई। बटाला के गांव लोहचप्प में शैलर पर हथियारबंद बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। आरोपी लोन लेने के बहाने अंदर गए और 30 से अधिक गोलियां चलाई। बताया जा रहा है कि फॉर्च्यूनर गाड़ी में सवार होकर आए 7-8 लोगों ने हमला किया। पीड़ित परिवार ने अपनी जान बचाने के लिए अपने लाइसेंसी हथियारों से जवाबी हवाई फायर किए, जिसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। हालांकि, इस मामले में किसी जानी नुकसान की सूचना नहीं है। लेकिन, हमलावरों ने गोलियां चलाकर दफ्तर और गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचाया। बटाला पुलिस ने मौके का मुआयना कर पीड़ित परिवार के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज किया जा रहा है।

1 करोड़ रुपये मांगी थी रंगदारी

बटाला-ग्रंथियां क्षेत्र में आढ़त, फाइनेंस और राइस शैलर का कारोबार करने वाले महकदीप सिंह और उनके चाचा निशान सिंह ने बताया कि लगभग 2-4 महीने पहले उन्हें किसी अज्ञात गैंगस्टर की तरफ से 1 करोड़ रुपये की रंगदारी की धमकी मिली थी। इस संबंध में पहले से ही पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज है। उन्होंने बताया कि सोमवार की सुबह लगभग 9:30 से 10 बजे के करीब 3-4 हथियारबंद बदमाश कारोबारी के दफ्तर में लोन लेने के बहाने घुसे। मुख्य गैंगस्टर बाहर फॉर्च्यूनर गाड़ी में ही बैठा रहा।

फॉर्च्यूनर गाड़ी से किया पीछा

जब परिजनों को खतरे का अहसास हुआ और वे पुलिस थाने शिकायत दर्ज कराने जा रहे थे तो बदमाशों ने फॉर्च्यूनर से पीछा किया। पुलिस थाने से वापस आते ही बदमाशों ने शैलर पर पहुंचकर थार गाड़ी और इमारत पर ऑटोमैटिक 315 बोर के हथियारों से बर्स्ट फायर किए। कारोबारी की थार गाड़ी के शीशे टूट गए और शैलर की दीवारों पर गोलियों के दर्जनों निशान बन गए। कारोबारी ने बताया कि उनके साथियों के पास 12 बोर और पिस्टल जैसे लाइसेंसी हथियार मौजूद थे। अपनी और अपने लेबर व फोरमैन की जान बचाने के लिए उन्होंने हवा में 5-10 राउंड फायर किए। दोनों तरफ से हुई इस भयानक गोलाबारी के बाद बदमाश मौके से भाग निकले।

चार दिन से बिजली ठप, फसलें सूखने लगीं तो किसानों ने मुबारकपुर-सुंदरा रोड किया जाम

डेराबस्सी/यूटर्न/20 जुलाई। खेतों में खड़ी धान और अन्य फसलों को समय पर पानी न मिलने से परेशान किसानों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। लगातार चार से पांच दिनों से कृषि फीडरों पर पर्याप्त बिजली सप्लाई न मिलने के विरोध में सुंदरा, पंडवाला, निंबुआ, हैबतपुर और आसपास के कई गांवों के किसानों ने मुबारकपुर-सुंदरा रोड जाम कर दिया। किसानों ने बिजली घर के मुख्य गेट के बाहर धरना देते हुए पंजाब सरकार और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों का आरोप है कि कृषि फीडरों पर न तो नियमित बिजली दी जा रही है और न ही तय समय के अनुसार सप्लाई मिल रही है। बिजली नहीं मिलने से ट्यूबवेल बंद पड़े हैं और धान सहित अन्य फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। किसानों ने कहा कि लगातार पानी की कमी के कारण फसलें सूखने लगी हैं। यदि जल्द बिजली सप्लाई बहाल नहीं हुई तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बताया कि समस्या को लेकर विभागीय अधिकारियों को कई बार सूचित किया गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। किसानों का आरोप है कि जेई राजकुमार को बार-बार फोन करने के बावजूद कॉल नहीं उठाई गई। एसडीओ से संपर्क करने का भी प्रयास किया गया, लेकिन समय पर कोई ठोस जवाब नहीं मिला। इससे नाराज किसानों ने मजबूर होकर सड़क जाम करने और बिजली घर के बाहर धरना देने का फैसला किया।

राजनीतिक प्रतिशोध के खिलाफ लामबंद हुआ अकाली दल

सुखबीर बादल के समर्थन में चंडीगढ़ पहुंचा जगरांव का काफिला

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/19/जुलाई। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल की रक्ळ के समक्ष पेशी को लेकर पार्टी नेताओं में भारी रोष देखा गया। जगरों हलके से कोर कमेटी सदस्य और पूर्व विधायक एस.आर. क्लेर के नेतृत्व में अकाली कार्यकताओं का एक विशाल काफिला चंडीगढ़ के लिए रवाना हुआ, जहाँ उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के प्रति एकजुटता प्रदर्शित की। 'राजनीतिक लाभ के लिए बेअदबी मामले का इस्तेमाल दुर्भाग्यपूर्ण' इस मौके पर क्लेर ने कड़े शब्दों में कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध की नीति अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2015 की बेअदबी की दुखद घटनाओं को राजनीतिक रंग देकर अकाली दल को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

क्लेर ने आगे कहा, 'कांग्रेस के बाद अब 'आप' सरकार भी बेअदबी के मामले पर राजनीति कर रही है। यदि सरकार की नीयत साफ होती तो इतने वर्षो में दोषियों को सजा मिल चुकी होती। आज राज्य सरकार विकास, रोजगार और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों पर जवाब देने के बजाय विरोधियों को निशाना बनाने में जुटी हुई है।'

'सच को दबाया नहीं जा सकता'

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य भाई गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी का मामला हर सिख के लिए बेहद संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र मुद्दे को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने जोर दिया कि संगत की मांग सिर्फ न्याय है, न कि राजनीतिक ड्रामेबाजी।

भारी संख्या में शामिल हुए नेता

इस प्रदर्शन में जगरांव हलके के सभी वरिष्ठ नेताओं, सर्कल अध्यक्षों और कार्यकताओं ने भाग लिया। अकाली नेताओं ने दोहराया कि पार्टी कानून का सम्मान करती है और हर जांच में सहयोग करने के लिए तैयार है, लेकिन राजनीतिक साजिशों के आगे झुकने वाली नहीं है।

एयरोट्रोपोलिस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का विरोध, किसानों का धरना पुलिस कार्रवाई से नहीं हो सका

मोहाली/यूटर्न/20 जुलाई। एयरोट्रोपोलिस आवासीय परियोजना के लिए आठ गांवों की 3522 एकड़ भूमि अधिग्रहण के विरोध में सोमवार को गमाडा कार्यालय के बाहर प्रस्तावित किसानों का धरना पुलिस की सख्ती के चलते नहीं हो सका। सुबह तडके पुलिस ने किसान संघर्ष समिति के कई प्रमुख नेताओं को उनके घरों से हिरासत में ले लिया, जबकि गमाडा कार्यालय और आसपास के पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

> धरने से पहले कई किसान नेताओं को घरों में किया नजरबंद, गमाडा कार्यालय पूरे दिन छावनी में तब्दील

किसान संघर्ष समिति के संयोजक नछत्तर सिंह बैदवान, सेवा सिंह बाकरपुर, दर्शन सिंह दुराली और कुलदीप सिंह कुरड़ी को सुबह करीब छह बजे उनके घरों से उठाया गया। पुलिस ने मख्खन सिंह गीगेमाजरा, कमलजीत सिंह बड़ी, परमदीप सिंह बैदवाण, कमलप्रीत सिंह दुराली और दीदार सिंह बड़ी सहित अन्य नेताओं के घरों पर भी दबिश दी, हालांकि वे उस समय पुलिस के हाथ नहीं लगे।

गमाडा कार्यालय पहुंचते ही नेताओं को हिरासत में लिया

सुबह करीब 10 बजे मख्खन सिंह गीगेमाजरा, कमलजीत सिंह बड़ी, रणबीर सिंह ग्रेवाल, गुरमीत सिंह गीगेमाजरा, गुरप्रीत सिंह नगारी और अन्य किसान नेता गमाडा कार्यालय के पास पहुंचे। पुलिस ने उन्हें तुरंत हिरासत में लेकर थाना मटौर पहुंचा दिया। सभी नेताओं को शाम करीब चार बजे रिहा किया गया। इस दौरान गमाडा कार्यालय में भूमि अधिग्रहण के अवॉर्ड की प्रक्रिया जारी रही और अवॉर्ड सुनने पहुंचे किसानों को कार्यालय के अंदर जाने की अनुमति दी गई।

किसानों का आरोप- लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन

रिहाई के बाद किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार छीनकर उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया है। उनका कहना है कि किसानों की आपत्तियों का समाधान किए बिना, सामाजिक प्रभाव आकलन (सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट) की पूरी जानकारी दिए बिना और कुछ जमीनों पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक को नजरअंदाज करते हुए भूमि अधिग्रहण का अवॉर्ड घोषित कर दिया गया। किसान नेताओं ने दावा किया कि उनकी जमीनें बाजार मूल्य से काफी कम, लगभग आधी कीमत पर अधिग्रहित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी और भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। किसानों ने स्पष्ट किया कि वे कथित धक्केशाही को स्वीकार नहीं करेंगे और आम लोगों के सहयोग से अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

मानवाधिकार जागरूकता बढ़ाने के लिए जल्द चलेगा विशेष अभियानः जतिंदर सिंह शंटी

अमृतसर/यूटर्न/20 जुलाई। पंजाब राज्य मानवाधिकार आयोग (PSHRC) के माननीय सदस्य जतिंदर सिंह शंटी ने अमृतसर में आयोजित कोर ग्रुप की समीक्षा बैठक के दौरान पिछले तीन महीनों में मानवाधिकार संरक्षण एवं जन-जागरूकता से जुड़े कार्यों की समीक्षा की और टीम के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों की प्रभावी सुरक्षा के लिए जन-जागरूकता, प्रशासनिक सहयोग और समाज की सक्रिय भागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने घोषणा की कि आयोग जल्द ही अमृतसर जिले में व्यापक मानवाधिकार जागरूकता अभियान शुरू करेगा, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी विभागों और सामाजिक संगठनों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बैठक का आयोजन राम सिंह एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत निधि सिंधवानी और श्वेता मेहरा ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर की। बैठक में कोर ग्रुप के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए कार्यो, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी साझा की। श्री जतिंदर सिंह ने मानवाधिकार संरक्षण संबंधी गतिविधियों को अधिक प्रभावी और जनहितकारी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

विशेष अतिथि डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि मानव सेवा और मानवाधिकारों की रक्षा प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। बैठक में कई सदस्य उपस्थित रहे और जिला प्रशासन के साथ समन्वय बढ़ाकर मानवाधिकार संरक्षण के कार्यो को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की विरासत को मिलेगा सम्मान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/20/जुलाई। महान स्वतंत्रता सेनानी 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय के ऐतिहासिक योगदान को संजोने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। लाला लाजपत राय चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी (रजि) जगरांव का एक प्रतिनिधिमंडल संस्था के संरक्षक और पंजाब के पूर्व ओएसडी (मुख्यमंत्री कार्यालय) अंकित बंसल के नेतृत्व में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से राजभवन में मिला।

विरासत के संरक्षण के लिए उठाई मांगः प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के समक्ष लाला लाजपत राय जी के पैतृक आवास की वर्तमान स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मांग की कि इस ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण और विकास के लिए ठोस कदम उठाए जाएं ताकि इसे एक 'राष्ट्रीय विरासत स्थल' (National Heritage Site) के रूप में विकसित किया जा सके।

राज्यपाल का सकारात्मक आश्वासनः

प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए केंद्र और पंजाब सरकार को पत्र लिखेंगे। साथ ही, राज्यपाल ने यह भी घोषणा की कि वे स्वयं जल्द ही लाला लाजपत राय जी के पैतृक आवास का दौरा करेंगे और महान क्रांतिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

युवा पीढ़ी तक पहुँचेगी देशभक्ति की अलखः इस अवसर पर संरक्षक अंकित बंसल ने राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था समाज सेवा के साथ-साथ लाला जी की स्मृतियों और उनके राष्ट्रवादी विचारों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'लाला जी का जीवन त्याग और बलिदान की प्रेरणा है, जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है।'

इस शिष्टमंडल में संस्था के अध्यक्ष पुनीत बंसल, महासचिव कमलदीप बंसल, कोषाध्यक्ष मोहित गोयल और उपाध्यक्ष अंकुश मित्तल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

२२ जुलाई को तीन घंटे टोल फ्री करेंगे किसान, केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में ऐलान

एमएसपी व एफटीए समेत लंबित मांगों पर भाकियू लखोवाल का प्रदर्शन, दप्पर टोल रहेगा निशुल्क

डेराबस्सी/यूटर्न/20 जुलाई। भारतीय किसान यूनियन (लखोवाल) ब्लॉक डेराबस्सी ने संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 22 जुलाई को दप्पर टोल प्लाजा को तीन घंटे तक निशुल्क कराने का ऐलान किया है। यह निर्णय सोमवार को दप्पर स्थित संगठन कार्यालय में पंजाब के उपाध्यक्ष मनप्रीत सिंह अमलाला की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए), दिल्ली किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा न किए जाने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी सहित किसानों की अन्य लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं ने आरोप लगाया कि किसानों से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार गंभीर नहीं है, जिसके विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा ने पूरे पंजाब में टोल प्लाजा फ्री कराने का फैसला लिया है।

इसी क्रम में भाकियू (लखोवाल) ब्लॉक डेराबस्सी की ओर से 22 जुलाई को दोपहर 12 बजे से शाम 3 बजे तक दप्पर टोल प्लाजा पर वाहनों को बिना टोल शुल्क के गुजरने दिया जाएगा। मनप्रीत सिंह अमलाला ने कहा कि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और किसानों की ओर से किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने किसानों से बड़ी संख्या में पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की।

बैठक में कार्यकारी ब्लॉक प्रधान हरी सिंह बहोड़ा, जत्थेदार जगतार सिंह झरमड़ी, रणजीत सिंह राणा, कुलदीप सिंह सरसीणी, अमरजीत सिंह जास्तना, गुरपाल सिंह दप्पर, धर्मपाल घोलू माजरा, जगतार सिंह जवाहरपुर, केहर सिंह जड़ियाला, धर्म सिंह, साहिब सिंह, परमजीत सिंह दप्पर, हरपाल सिंह चौंधेड़ी, राम सिंह जंडली, छज्जा सिंह दप्पर, जरनैल सिंह, गुलाब सिंह बैर माजरा सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

२२ जुलाई को दोपहर १२ से शाम ३ बजे तक रहेगा टोल फ्री

भाकियू (लखोवाल) के अनुसार दप्पर टोल प्लाजा पर तीन घंटे तक किसी भी वाहन से टोल शुल्क नहीं लिया जाएगा। संगठन का कहना है कि यह विरोध प्रदर्शन किसानों की लंबित मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा।

चंडीगढ़ नेशनल हाईवे किनारे सोमवार मंडी से जाम, हादसों को न्योता

सड़क पर रेहड़ी-फड़ी और दुकानों का कब्जा, लोगों का आरोप–प्रशासनिक अधिकारी रोज गुजरते हैं, फिर भी कार्रवाई नहीं

मेजर अली

डेराबस्सी/यूटर्न/20 जुलाई। चंडीगढ़ नेशनल हाईवे के किनारे प्रत्येक सोमवार को लगने वाली साप्ताहिक मंडी वाहन चालकों और आसपास के निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। मंडी के दौरान सड़क किनारे बड़ी संख्या में रेहड़ी-फड़ी और अस्थायी दुकानें लगा दी जाती हैं। खरीदारी करने आने वाले लोग भी अपने वाहन सड़क पर ही खड़े कर देते हैं, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग जाता है और हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन और पुलिस के अधिकारी रोजाना इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन सोमवार मंडी के कारण पैदा हो रही अव्यवस्था की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। मंडी वाले दिन मौके पर पर्याप्त ट्रैफिक कर्मचारी भी तैनात नहीं रहते। इससे हाईवे पर वाहनों की कतार लग जाती है और एंबुलेंस सहित जरूरी सेवाओं के वाहनों को भी निकलने में परेशानी होती है। निवासियों ने बताया कि पहले सोमवार मंडी शहर के अंदर लगती थी। लगातार जाम, गंदगी और अव्यवस्था से परेशान होकर लोगों ने विरोध किया था, जिसके बाद मंडी को बाहर स्थानांतरित किया गया। अब हाईवे के किनारे भी पुराने जैसे हालात बन गए हैं।

पुलिस सत्यापन नहीं होने पर उठाए सवाल

लोगों ने मंडी में रेहड़ी-फड़ी लगाने वालों और बाहर से आने वाले विक्रेताओं का पुलिस सत्यापन नहीं होने पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मंडी में हजारों लोग आते हैं, लेकिन दुकानदारों और कामगारों का कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। निवासियों ने आरोप लगाया कि मंडी के दौरान भीड़ बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में चोरी और जेब काटने की घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

‘सोमवार को हाईवे से निकलना मुश्किल हो जाता है। सड़क पर दुकानें और वाहन खड़े होने से हादसे का खतरा बना रहता है। प्रशासन को मंडी के लिए निर्धारित स्थान तय करना चाहिए।’
— राजेश कुमार, स्थानीय निवासी

‘प्रशासनिक अधिकारी इसी सड़क से रोज गुजरते हैं, फिर भी किसी को जाम दिखाई नहीं देता। ट्रैफिक पुलिस को सोमवार के दिन विशेष व्यवस्था करनी चाहिए।’ **— सुरेंद्र शर्मा, वाहन चालक**

‘मंडी में दुकान लगाने वालों का पुलिस सत्यापन और पहचान संबंधी रिकॉर्ड होना चाहिए। सुरक्षा के मामले में लापरवाही ठीक नहीं है।’ **— अमित वर्मा, क्षेत्रवासी**

लोगों ने मांग की है कि प्रशासन मंडी स्थल का निरीक्षण करे, हाईवे की सड़क और सर्विस लेन को अतिक्रमण से मुक्त करवाए, पार्किंग की अलग व्यवस्था करे और दुकानदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य बनाए। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर प्रशासन की अनदेखी के चलते हाईवे पर जाम और अव्यवस्था का यह सिलसिला कब रुकेगा।

खूबसूरती और फिटनेस से फैंस का दिल जीत रहीं कीर्ति सुरेश

अपनी सादगी, नैचुरल ब्यूटी और दमकती मुस्कान के लिए मशहूर अभिनेत्री कीर्ति सुरेश एक बार फिर अपने स्टाइलिश लुक को लेकर चर्चा में हैं। फिटनेस को लेकर उनकी अनुशासित दिनचर्या और हेल्दी लाइफस्टाइल फैंस के बीच काफी लोकप्रिय है। योग, नियमित वर्कआउट और संतुलित आहार को वह अपनी फिटनेस का राज मानती हैं। बिना किसी बनावटीपन के उनका आत्मविश्वास और ग्रेस उन्हें अलग पहचान दिलाता है। सोशल मीडिया पर उनके लेटेस्ट लुक की तस्वीरों को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। खूबसूरती, सादगी और फिटनेस का शानदार संतुलन ही कीर्ति सुरेश को आज की सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में शामिल करता है।

भाजपा की नीट परीक्षा शुरू, धर्मेंद्र प्रधान ने अमित शाह से की मुलाकात

चंडीगढ़/यूटर्न/20 जुलाई। संसद के मॉनसून सेशन के पहले दिन सोमवार को हाई ड्रामा देखने को मिला, जब हजारों छात्रों और युवाओं के सपोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सदस्यों ने बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए संसद की ओर मार्च करने की कोशिश की। साथ ही, विरोध प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। पूरे सेंट्रल दिल्ली में भारी सुरक्षा तैनात की गई थी, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुंचने से रोकने के लिए बैरिकेड लगाए और रोक लगा दी थी। जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की तो झड़पें हुई, जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों ने लगाए नारे

प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए, हाथों में प्लेकार्ड लिए हुए थे जिन पर भर्ती में ट्रांसपेरेंसी और पेपर लीक रैकेट को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने की मांग थी। उन्होंने हाल के एग्जाम स्कैंडल की टाइम-बाउंड जांच और कॉम्पिटिटिव टेस्ट कराने वाले अधिकारियों की ज्यादा जवाबदेही तय करने की भी मांग की। कई लोगों ने कहा कि एग्जाम बार-बार कैंसिल होने से उन स्टूडेंट्स पर भारी फाइनेंशियल और इमोशनल बोझ पड़ा है जो इन टेस्ट की तैयारी में सालों लगाते हैं।

सरकार ने आंदोलन तक फॉर्मल पहुंच शुरू की

जैसे-जैसे आंदोलन तेज हुआ, सरकार ने आंदोलन तक अपनी पहली फॉर्मल पहुंच शुरू की। भाजपा प्रेसिडेंट और यूनियन हेल्थ मिनिस्टर जे.पी. नड्डा ने सीजेपी के दो मेंबर वाले डेलीगेशन से बातचीत की, जिससे प्रदर्शनकारियों से बात करने की इच्छा का संकेत मिला। हालांकि, सीजेपी ने कहा कि आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार कथित नाकामियों की जिम्मेदारी नहीं ले लेती और प्रधान के इस्तीफे समेत अपनी मुख्य मांगों पर कार्रवाई नहीं करती।

देशव्यापी अभियान का केंद्र बना

क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन, बार-बार होने वाली परीक्षा में गड़बड़ियों के लिए जवाबदेही की मांग करने वाले देशव्यापी अभियान का केंद्र बन गया है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र पर कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं की ईमानदारी की रक्षा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया और शिक्षा क्षेत्र में सिस्टमिक सुधारों की मांग की। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और पंजाब समेत कई राज्यों के स्टूडेंट ग्रुप प्रदर्शन में शामिल हुए। उनका आरोप था कि बार-बार लीक होने से सरकारी नौकरियों और प्रोफेशनल एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे लाखों कैंडिडेट के सपने टूट गए हैं।

मॉनसून सेशन हंगामेदार रहने की उम्मीद

मॉनसून सेशन के हंगामेदार रहने की उम्मीद है, क्योंकि विपक्ष भी एग्जाम लीक और दूसरे विवादित मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। संसद शुरू होने के बाद भी विरोध प्रदर्शन सड़कों पर हैं, इसलिए आने वाले दिनों में यह मुद्दा राजनीतिक चर्चा में छा सकता है और देश के एग्जाम सिस्टम की विश्वसनीयता पर बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार पर दबाव बढ़ा सकता है।

जीरकपुर में नई परिषद का आगाज, पुराने विकास कार्यों और कथित अनियमितताओं की होगी समीक्षा

जीरकपुर नगर परिषद के नए प्रधान का पहला संदेश-'राजनीति खत्म, अब विकास और जवाबदेही की बारी'

जीरकपुर/यूटर्न/20 जुलाई। जीरकपुर नगर परिषद के नवनियुक्त प्रधान गुरप्रीत सिंह विर्क ने रविवार को पदभार संभालते ही शहर के विकास की नई रूपरेखा पेश कर दी। धार्मिक माहौल में हुए ताजपोशी समारोह के बाद उन्होंने स्पष्ट संकेत दिए कि नगर परिषद अब केवल नए विकास कार्यों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूर्व में हुए विकास कार्यों, मास्टर प्लान के उल्लंघन, अतिक्रमण और कथित अनियमितताओं की भी समीक्षा करेगी। उनके इस बयान को नगर परिषद के कामकाज में जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्री सुखमनी साहिब के पाठ, कीर्तन और अरदास के बाद आयोजित समारोह में हलका विधायक कुलजीत सिंह रंधावा, जिला योजना बोर्ड की चेयरपर्सन, नगर परिषद के पार्षद, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। विधायक रंधावा ने गुरप्रीत सिंह विर्क को सिरोपा पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि पंजाब सरकार का लक्ष्य जीरकपुर को योजनाबद्ध, स्वच्छ और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करना है। पदभार ग्रहण करने के बाद गुरप्रीत सिंह विर्क ने कहा कि शहर की सबसे बड़ी प्राथमिकताएं सफाई व्यवस्था, सीवरेज नेटवर्क, बरसाती पानी की निकासी, ट्रैफिक प्रबंधन, सड़कों की स्थिति और बेसहारा पशुओं की समस्या का समाधान होंगी। उन्होंने कहा कि शहर में गौशाला स्थापित करने की दिशा में भी काम किया जाएगा क्योंकि यह लंबे समय से लोगों की मांग रही है।

पत्रकारों द्वारा मास्टर प्लान, अवैध कब्जों और कथित बड़े भूमि घोटालों से जुड़े सवाल पूछे जाने पर विर्क ने कहा कि नगर परिषद में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी मामले में शिकायत या तथ्य सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव समाप्त हो चुके हैं और अब सभी 31 वार्डों के पार्षदों को राजनीतिक मतभेद भुलाकर शहर के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए। विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने भी अधिकारियों को निर्देश दिए कि चल रही सीवरेज और ड्रेनेज परियोजनाओं सहित प्रमुख विकास कार्यों की गुणवत्ता की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं तकनीकी खामियां या लापरवाही मिली तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नगर परिषद में जनता के हित सर्वोपरि रहेंगे और प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराए जाएंगे।

'वैर' बनकर छाया जोत सिद्धू और ज्योति वर्मा का जादू

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/20/जुलाई। पेशे से डॉक्टर और दिल से गायक, जोत सिद्धू अपने नए पंजाबी गीत 'वैर' (Vair) के साथ संगीत प्रेमियों के दिलों पर छा गए हैं। इस शानदार गाने में जोत सिद्धू का साथ दिया है बेहतरीन गायिका ज्योति वर्मा ने। दोनों की जुगलबंदी ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है।

संगीत और प्रस्तुति की झलक: इस गीत को और भी प्रभावशाली बनाने में संगीतकार बीट राइडर (Beat Rider) का बड़ा योगदान है, जिन्होंने अपने संगीत से गाने में जान डाल दी है। जोत सिद्धू की आवाज में एक विशेष ठहराव और सुकून है, जो सीधे सुनने वालों के रूह तक उतर जाता है। उनके गाने न केवल कानों को प्रिय लगते हैं, बल्कि सुकून का एहसास भी कराते हैं।

कहाँ सुनें?... अगर आप भी इस मधुर गीत का आनंद लेना चाहते हैं, तो इसे जोत सिद्धू के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर जाकर सुन सकते हैं।

विशेष अपडेट: जोत सिद्धू ने अपने प्रशंसकों को एक और खुशखबरी दी है—जल्द ही इस गीत का एक शानदार म्यूजिक वीडियो भी दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा, जिसका इंतजार उनके फैंस बेसब्री से कर रहे हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372